राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 91, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली मंगलवार 17 अक्टूबर 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

हरदीप सिंह पुरी ने नृत्य नाटक 'श्री राम' के 67वें संस्करण का उद्घाटन किया
.... पेज 03

बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा को मैदान में एंटी रोमियो स्क्वायड की 1678 टोलियां
.... पेज 05

सुक्खू ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली कबड्डी टीम के सदस्यों को किया सम्मानित
.... पेज 07

न्यूजक्लिक : पुरकायस्थ, चक्रवर्ती ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

एजेंसी

नई दिल्ली। गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार न्यूज पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर दर्ज प्राथमिक रद्द करने की गुहार लगाई है।

आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से याचिका खारिज करने के आदेश को विशेष अनुमति याचिका के जरिए शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस मामले की शीघ्र सुनवाई करने की वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की गुहार पर सोमवार को कहा वह इसे शीघ्र सूचीबद्ध करने पर विचार करेगी। पुरकायस्थ और चक्रवर्ती की ओर से पेश सिब्बल ने पीठ के समक्ष अनुरोध करते हुए कहा, यह न्यूज़क्लिक मामला है। पत्रकार हिरासत में है। वह 70 साल से अधिक उम्र का व्यक्ति है।

क्रिकेट सहित पांच खेल लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में शामिल

इसके पहले 1900 के ओलंपिक में केवल एक बार क्रिकेट खेला गया था

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट (टी20) सहित बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश को शामिल किये जाने की सोमवार को औपचारिक घोषणा की।

आईओसी के 141वें सत्र की बैठक में समिति ने आज महिला पुरुष क्रिकेट (टी20) बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश को लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक खेल में शामिल किये जाने को लेकर आईओसी सदस्यों मतदान किया। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाख ने कहा कि समिति के 99 सदस्यों में से केवल दो सदस्यों ने पांच खेलों को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में शामिल किये जाने के प्रस्ताव का विरोध किया और एक ने मतदान में भाग नहीं लिया। पांचों खेलों को शामिल किये जाने की घोषणा के साथ ही ये खेल लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 खेल के कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। इसके पहले 1900 के ओलंपिक में केवल एक बार क्रिकेट खेला गया था। आईओसी ने सीमित ओवरों के क्रिकेट के महिला और पुरुष ट्वेंटी-20 फॉर्मेट को शामिल किये जाने की मंजूरी दी गई है।

फ्लैग फुटबॉल अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है, पांच टीमों के लिए अमेरिकी फुटबॉल का एक गैर-संपर्क संस्करण है।

बेसबॉल-सॉफ्टबॉल को हाल ही में टोक्यो 2020 के ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया गया था, जहां मेज़बान जापान ने दोनों स्वर्ण पदक जीते थे।

लैक्रोस स्टिक और लैक्रोस बॉल के साथ खेला जाता है । यह कनाडा और उत्तरी अमेरिका में खेला जाता है। यह उत्तरी अमेरिका का सबसे पुराना संगठित खेल है, जिसकी उत्पत्ति उत्तरी अमेरिका के स्वदेशी लोगों के साथ 12वीं शताब्दी में हुई थी।

स्क्वैश एक रैकेट खेल है जिसे दो खिलाड़ी (युगल के लिए चार खिलाड़ी) एक छोटी गेंद से चार दीवारों वाले कोर्ट में खेला जाता है।

समलैंगिक विवाह कानूनी या गैर कानूनी, फैसला आज

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ अपना फैसला सुनाएगी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की गुहार लगाने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाएगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ अपना फैसला सुनाएगी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 11 मई 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि समलैंगिक विवाह को मान्यता न देना समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा के अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में यह भी कहा गया कि शीर्ष अदालत को इस समुदाय की सामाजिक सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी लाभों तक पहुंच के लिए उचित निर्देश भी पारित करने चाहिए। केंद्र सरकार ने याचिकाकर्ताओं का पुरजोर विरोध किया था। सरकार ने दलील देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ताओं की मांग को अनुमति देने से व्यक्तिगत कानूनों के मामले में बेहद खराब स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

अदालत में सरकार ने यह भी कहा था कि इस विषय को विधायिका द्वारा ही संभाला जा सकता है।

26 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की याचिका की खारिज

उच्चतम न्यायालय ने एक विवाहित महिला की 26 सप्ताह से अधिक समय की गर्भावस्था समाप्त करने की उसकी याचिका सोमवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुए अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल पूर्ण न्याय के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल हर मामले में नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नयी दिल्ली से कहा कि वह महिला को गर्भावस्था पूरी होने तक जारी रखने के लिए सभी चिकित्सा सहायता और सहायता प्रदान करे।

गगनयान की पहली टेस्ट फ्लाइट का समय तय

बेंगलुरु। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन भारत के पहले ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग 21 अक्टूबर को सुबह 7 से 9 बजे के बीच करेगा। आसान भाषा में कहे तो मिशन के दौरान रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पृथ्वी पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की टेस्टिंग होगी। गगनयान मिशन के टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन-1 (TV-D1) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। इस फ्लाइट में तीन हिस्से होंगे- अबॉर्ट मिशन के लिए बनाया सिंगल स्टेज लिक्विड रॉकेट, क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम। क्रू मॉड्यूल के अंदर का वातावरण अभी वैसा नहीं होगा जैसा मैन्ड मिशन में होगा।

केंद्र सरकार ने यह भी दावा किया था सिर्फ सात राज्यों ने समलैंगिक विवाह के मसले पर उसके सवाल का जवाब दिया है।

इनमें राजस्थान, आंध्र प्रदेश और असम ने ऐसे विवाहों के लिए कानूनी मंजूरी की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के तर्क का विरोध किया है। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील, ए एम सिंघवी, राजू रामचंद्रन, के वी विश्वनाथन , आनंद ग्रोवर और सौरभ किरपाल ने 21 याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा।

पीएम को मणिपुर से ज्यादा इजराइल में दिलचस्पी : राहुल

मणिपुर अब एक राज्य नहीं रहेगा, जाति के आधार पर दो हिस्सों में बंट जाएगा

आइजोल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर की तुलना में इजराइल में होने वाली घटनाओं की ज्यादा चिंता है। 3 मई के बाद से हिंसा से जूझ रहा मणिपुर अब एक राज्य नहीं रहेगा बल्कि जाति के आधार पर दो हिस्सों में बंट जाएगा।

उन्होंने कहा- मेरे लिए यह हैरानी की बात है कि देश के प्रधानमंत्री और भारत सरकार को इजराइल-हमास जंग में इतनी दिलचस्पी क्यों है? लेकिन मणिपुर में क्या हो रहा है, इसमें उन्हें दिलचस्पी नहीं है। वहां लोगों की हत्याएं हो रही हैं, महिलाओं के साथ छेड़छाड़ हो रही है और बच्चों को मार डाला गया। यह शर्म की बात है कि हमारे यूनियन के नेता मणिपुर में इतना सब होने के बाद भी वहां नहीं गए।

भारत जोड़ो यात्रा के जैसे मिजोरम में 5 किमी पदयात्रा की

जनसभा से पहले राहुल गांधी ने पांच किमी लंबी पदयात्रा निकाली। राहुल ने चानमारी से पदयात्रा शुरू की, जो ट्रेजरी स्क्वायर पर खत्म हुई। इस दौरान राहुल ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरे से राहुल मिजोरम की जनता खासतौर पर युवाओं को साधने का प्रयास करेंगे। यह पदयात्रा पिछले साल 6 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर थी, जो मिजोरम के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हुई। भारत जोड़ो यात्रा 150 दिनों में 3500 किमी से ज्यादा का पैदल सफर कर 12 राज्यों से होते हुए कश्मीर में खत्म हुए थी।

'चुनावी बांड' विवाद का फैसला सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ करेगी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजनीतिक दलों को चंदा से संबंधित चुनावी बांड की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष विचार के लिए भेजने का सोमवार को फैसला किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह फैसला कई मामलों को बड़ी पीठ के समक्ष रखने के अनुरोध पर किया। पीठ ने कहा कि मामले के महत्व को देखते हुए संविधान के अनुच्छेद 145(3) के तहत याचिकाओं के एक समूह को पांच न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जा सकता है।

देशभर में मना सफेद छड़ी दिवस

नयी दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने देशभर में रविवार को दिव्यांगों को सुविधाएं पहुंचाने और समावेशन को बढ़ावा देने तथा दृष्टिहीनों के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विश्व सफेद छड़ी दिवस मनाया। मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि जनता के बीच सफेद छड़ी के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दृष्टि से 30 से अधिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार, वेबिनार, साक्षात्कार और रैली जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। मंत्रालय ने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व प्रोफेसर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ विशेष साक्षात्कार आयोजित किए गए। राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान ने रैली का आयोजन किया गया।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'कैश फॉर क्वैरी' के आरोप पर बखेड़ा बढ़ा, अडानी समूह ने भी जारी किया बयान

नयी दिल्ली। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा पर कथित रूप से एक बड़े उद्यमी के इशारे पर लोकसभा में सवाल पूछने पर उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ सांसद की ओर से जांच की मांग का मुद्दा तूल पकड़ता जा रहा है और अडानी समूह ने एक बयान में इस घटनाक्रम को चौंकाने वाला बताया है। उद्योगपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह ने सोमवार को अहमदाबाद से जारी एक बयान में कहा कि इस घटनाक्रम से उसके नौ अक्टूबर के बयान की पुष्टि होती है कि कुछ समूह और व्यक्ति अडानी समूह की प्रतिष्ठा उसके नाम और

बाजार में उसकी स्थिति को क्षति पहुंचाने के लिए दिन-रात एक किये हुए हैं।

बयान में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय के वकील जय अनंत देहाद्रि की ओर से केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के पास शिकायत देकर तृणमूल सांसद मोइत्रा के खिलाफ कहा है कि माननीय सांसद और हीरानंदानी समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दर्शन हीरानंदानी ने गौतम अडानी और उनकी कंपनियों के समूह पर निशाना साधने के लिए एक बड़ा आपराधिक षडयंत्र किया है।

अडानी समूह ने वकील की शिकायत के हवाले से कहा है कि सुश्री मोइत्रा को इसके लिए श्री हीरानंदानी से 'घूस' और अन्य फायदे मिले हैं। शिकायत में सुश्री मोइत्रा को निलंबित कर इस मामले की जांच की मांग की गयी है। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा, समूह यह बयान अपने हितधारकों के हक में जारी कर रहा है जिसमें हमारे शेयरधारक भी शामिल हैं।

निठारी कांड में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला पलटा

पंधेर बरी, लेकिन कोली पर एक केस में फांसी बरकरार; 19 लड़कियों की हत्या कर खा गए थे

गाजियाबाद/प्रयागराज। नोएडा के निठारी कांड में सुरेंद्र कोली और मोनिंदर सिंह पंधेर की अपील इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट ने उन्हें पहले फांसी की सजा सुनाई थी। इस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। निठारी मामले में टोटल 14 केस में हाईकोर्ट ने दोषियों को बरी किया है। इसमें कोली को 12 और पंधेर को 2 मामलों में राहत मिली है।

हालांकि कोली को सुप्रीम कोर्ट ने एक केस में फांसी की सजा सुनाई है। जो फिलहाल बरकरार रहेगी। ये फैसला जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्र और जस्टिस एसएचए रिजवी की बेंच ने सुनाया है। लंबी चली बहस के बाद अपीलों पर फैसला सितंबर में सुरक्षित कर लिया गया था।

पंधेर सभी मुकदमों में बरी हुआ

मोनिंदर सिंह पंधेर की वकील मनीषा भंडारी ने कहा, सेशन कोर्ट की फांसी की सजा के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल की थी। दोनों मुकदमों में पंधेर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरी किया है। अब पंधेर के खिलाफ कोई मुकदमा नहीं है। कुल छह मुकदमों में सेशन ट्रायल थे। एक मुकदमा 2010 में हाईकोर्ट रद्द कर चुका है। तीन में सेशन

कोर्ट ने बरी किया था। दो मुकदमों में फांसी हुई थी, जिनमें पंधेर आज बरी हुए हैं।

सीबीआई के वकील बोले- फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज करेंगे

सीबीआई के वकील संजय यादव ने कहा, रिम्पा हल्दर मर्डर केस में सुरेंद्र कोली को फांसी की सजा ट्रायल कोर्ट से सुनाई जा चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस सजा को बरकरार रखा है। इस मुकदमे में जो एविडेंस थे, वही एविडेंस बाकी मुकदमों में थे। हम हैरत में हैं कि एक जैसे साक्ष्य होने पर हाईकोर्ट ने बाकी मुकदमों में सुरेंद्र कोली को कैसे बरी कर दिया। हम इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज करेंगे।

रिम्पा हलदर नाम की लड़की की 2005 में हत्या हुई। इस जुर्म में निचली अदालत ने सुरेंद्र कोली को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट इलाहाबाद ने भी इस फैसले को बरकरार रखा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी 15 फरवरी 2011 को इस फैसले पर अपनी मुहर लगाई थी।

19 लड़कियों को मारकर खाने में दर्ज हुए थे 19 मुकदमे

साल-2005 और 2006 में हुए निठारी कांड में कुल 19 बच्चियों, युवतियों और महिलाओं की रेप के बाद हत्या हुई।

इन्हें मारकर हत्यारों ने खा लिया। इसमें कुल 19 मुकदमे दर्ज हुए थे। इसमें तीन मुकदमों में पुलिस ने साक्ष्य के अभाव में क्लोजर रिपोर्ट लगा दी।

रेड

चार राज्यों में आयकर विभाग का छापा, 55 ठिकानों पर मारी रेड

94 करोड़ रुपये नकद, 8 करोड़ रुपये के सोने किए जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने 12 अक्टूबर को कुछ सरकारी ठेकेदारों, रियल एस्टेट डेवलपर्स और कुछ सहयोगियों पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। ये छापेमारी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और नई दिल्ली राज्यों में की गई थी।

रेड के दौरान ड्डज्ञ विभाग ने लगभग 94 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी, 8 करोड़ रुपये से अधिक के सोने और हीरे के आभूषण और विदेश निर्मित 30 लक्जरी कलाई घड़ियां जब्त की। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने जानकारी देते हुए बताया कि आगे की जांच

प्रक्रिया में है।

55 परिसरों में की गई छापेमारी

विभाग द्वारा बेंगलुरु और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दिल्ली के कुछ शहरों में कुल 55 परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया गया। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने एक बयान में कहा, तलाशी के परिणामस्वरूप लगभग 94 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी और 8 करोड़ रुपये से अधिक के सोने और हीरे के आभूषण, कुल मिलाकर 102 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती हुई है।

30 कलाई घड़ियां बरामद

आरोपी संस्थाओं की पहचान बताए बिना कहा गया कि एक निजी वेतनभोगी कर्मचारी के परिसर से विदेशी निर्मित लगभग 30 लक्जरी कलाई घड़ियां बरामद की गई है। हालांकि, उसका घड़ियों के कारोबार से कोई ताल्लुक नहीं है। कर्मचारी जिस कंपनी में कार्यरत है उसका नाम नहीं बताया गया है। बताया जा रहा है कि ठेकेदारों और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान दस्तावेज और उनकी हार्ड कॉपी, डिजिटल डेटा सहित अपराध में संलिप्तता से जुड़े काफी साक्ष्य मिले हैं। सीबीडीटी के मुताबिक, कर चोरी के तौर-तरीकों से संकेत मिलता है कि ये ठेकेदार फर्जी खरीदारी के जरिये खर्चों को बढ़ाकर आय को कम दिखाने में शामिल थे।

कांग्रेस और भाजपा के बीच छिड़ी जुबानी जंग

फर्जीवाड़ा करके भारी मात्रा में बेहिसाब नकदी और अघोषित संपत्ति बनाई गई। वस्तु रसीद नोट (जीआरएन) सत्यापन में भी विसंगतियां मिली हैं। छापेमारी में बेहिसाबी नकदी मिलने के मुद्दे पर कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है।

हमाचल में रोहतांग दर्रा हुआ बंद, पर्यटन स्थलों में सीजन का पहला हिमपात

शिमला। हिमाचल प्रदेश के उच्च पर्वतीय भागों में बर्फबारी हुई है। जिससे रोहतांग सहित कुल्लू, लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा, शिमला, मंडी व सिरमौर जिले की ऊंची चोटियां बर्फ से सफेद हो गई हैं। वहीं, अन्य क्षेत्रों में झमाझम बारिश दर्ज की गई है। राज्य में बारिश बर्फबारी से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। कल्पा में न्यूनतम तापमान गिरकर 3.0 और केलांग में 1.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

सोमवार को मौसम विभाग के येलो अलर्ट के बीच प्रदेश के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी व अन्य में बारिश होने से शीतलहर बढ़ गई है। प्रदेश की राजधानी शिमला में भारी बारिश दर्ज

की गई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से आज प्रदेश में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है।

मंगलवार को भी अधिकतर भागों में बारिश व चोटियों पर बर्फबारी की संभावना है। राज्य में 18 अक्टूबर तक मौसम खराब रहने की संभावना है। आगामी 19 अक्टूबर से मौसम साफ होने के आसार हैं। मनाली के मुख्य पर्यटन स्थल रोहतांग दर्रा में भी बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। पर्यटन स्थल मढ़ी में भी इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई है।

ऊंचे इलाकों में हो रही बर्फबारी से मनाली में पर्यटन कारोबार में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

नड्डा का उदयपुर पहुंचने पर किया गया जोरदार स्वागत

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के राजस्थान के एकदिवसीय दौरे के तहत उदयपुर पहुंचने पर सोमवार को पार्टी नेताओं ने उनकी अगवानी कर उनका स्वागत किया। नड्डा के उदयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह आदि ने उनकी अगवानी की। जोशी ने साफा पहनाकर नड्डा का स्वागत किया। नड्डा के हवाई अड्डे के बाहर आने पर बड़ी संख्या में खड़े कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

शार्ट न्यूज

अभिषेक के पीए ईडी के सामने हुए पेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के तृणमूल कांग्रेस (तृंका) के महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक (पीए) सुमित रॉय सोमवार को शिक्षक भर्ती में कथित अनियमितताओं के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। श्री रॉय समन के लिए सुबह करीब 11 बजे साल्ट लेक स्थित केंद्र सरकार कार्यालय परिसर में पहुंचे और तब से उनसे पूछताछ जारी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद, ईडी मनी ट्रेल्स की जांच कर रही है। कथित शिक्षक भर्ती घोटाला जिसमें कई शीर्ष राजनेता जांच के दायरे में हैं और तत्कालीन वाणिज्य मंत्री पार्थ चटर्जी, पूर्व शिक्षा मंत्री सहित कई अन्य लोग एक साल से अधिक समय से जेल में हैं। रॉय ने शुक्रवार को ईडी के नोटिस को चुनौती देते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया था। उन्होंने न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष से शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। अदालत के सूत्रों ने बताया कि अर्जी पर सोमवार दोपहर को सुनवाई होने की संभावना है। बुधवार को इसी मामले में ईडी ने श्री अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की।

मान ने शहीद परविन्दर सिंह के परिजनों को सौंपा एक करोड़ रु का चेक

छाजली (संगरूर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर में कारगिल में देश की रक्षा करते हुये शहादत प्राप्त करने वाले बहादुर जवान परविन्दर सिंह के घर जाकर परिवार को सम्मान राशि के तौर पर एक करोड़ रुपए का चैक सौंपा। मुख्यमंत्री ने शहीद परविन्दर सिंह के माता-पिता के साथ दुख साझा करते हुये कहा कि देश हमेशा अपने शहीदों का ऋणी रहेगा जो दुश्मनों से अपने वतन की रक्षा करते हुये जान न्योछावर कर देते हैं। उन्होंने शहीद परविन्दर सिंह की याद में गाँव में प्रतिमा लगाने का भी एलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार की तरफ से शहीद की पत्नी के लिए नौकरी की माँग की गई है और राज्य सरकार द्वारा अपनी नीति के अंतर्गत नौकरी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि चाहे शहीद के बलिदान की कोई कीमत नहीं दी जा सकती, लेकिन सरकार ने शहीद के सम्मान में एक विनम्र सा प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परविन्दर सिंह का परिवार देश सेवा के प्रति समर्पित है क्योंकि उनके पिता जी भी फ़ौज में सेवा निभा चुके हैं और उनके भाई भी इस समय पर फ़ौज में हैं। उन्होंने कहा कि शहीद किसी एक परिवार या राज्य के नहीं बल्कि पूरे देश के शहीद होते हैं। मान ने संगरूर के डिप्टी कमिशनर को यह यकीनी बनाने के लिए कहा कि भविष्य में परिवार को किसी किस्म की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नहरों की रिमॉडलिंग व पुनर्वास के दिए निर्देश

सिरसा। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकता अनुसार सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की फ़ीडर, नहरों और माइनरों की रिमॉडलिंग तथा रिहैबिलिटेशन की जाए ताकि सिंचाई का पानी टेल तक पहुंच सके और अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके। राजस्थान राज्य की सीमा में पडने वाली नोहर फीडर की रिमॉडलिंग तथा रिहैबिलिटेशन करने के लिए राजस्थान सरकार को भी पत्र लिखा गया है। चौटाला सोमवार को अपने चंडीगढ स्थित कार्यालय में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। गौरतलब है कि चार रोज पहले उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा हरियाणा-राजस्थान सरहद के गांव फेफाना से राजस्थान विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत आरम्भ की 'संकल्प यात्रा' के दौरान किसानों के एक शिष्टमंडल ने उनसे मिलकर नोहर फीडर में टेल तक पर्याप्त सिंचित जल न पहुंचने का रोना रोया था। किसानों से मिली शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सिरसा व साथ लगते राजस्थान की नहरों,फीडरों एवं माइनरों की सफाई तथा टेल पर पानी न पहुँचने के कारणों की समीक्षा के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाई थी।

लाल डायरी में लिखा है कि राजस्थान में फिर आयेगी कांग्रेस सरकार: खड़गे

बारां। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे के दौरान लाल डायरी को लेकर दिए बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि लाल डायरी में लिखा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में राजस्थान में फिर से कांग्रेस आने वाली है। खड़गे सोमवार को यहां कांग्रेस के पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) जन जागरण अभियान की शुरुआत के अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने जातिगत जनगणना का जिक्र करते हुए कहा कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए। जातिगत जनगणना होगी तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वर्ग को उसका हक़ मिलेगा। उन्होंने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है। मोदी के मित्र देश की संपत्ति लूट रहे हैं। मोदी सरकार उद्योगपतियों के कर्ज माफ़ कर देती है वहीं जब किसान-गरीब कर्ज माफ करने की मांग करते हैं तो उन पर लाठियां-गोलियां चलाई जाती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की भी जमकर तारीफ़ की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

बिजली का खम्भा गिरने से बुजुर्ग की मौत

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के जघीना गांव में सोमवार को बिजली के एक क्षतिग्रस्त खम्भे एवं लटके तारो को सही करने के दौरान विजली के तीन अन्य खम्भों के गिर जाने से हुए हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि एक अन्य युवक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बुजुर्ग गिर्राज (75) घर के बाहर बैठा हुआ था तभी विजली का एक खंभा उसके ऊपर आ गिरा जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। डिस्कॉम कर्मचारी क्षतिग्रस्त खम्भे को ठीक कर उसके तार बदलने में लगे हुए थे। एक कर्मचारी पोल से बिजली के तार खींच रहा था। तभी अचानक एक के बाद एक तीन बिजली के पोल गिर गए। ग्रामीणों का कहना है कि पोल बदलने से पहले उन्होंने कर्मचारियों को कहा भी था कि ये पोल क्षतिग्रस्त है और कभी भी गिर सकते हैं लेकिन वे माने नहीं और एक कर्मचारी ने तार को खींच दिया, जिससे ये पोल नीचे गिर गया। घटना से गुस्साए मृतक के परिजनों ने मौके पर पहुचे लाइनमैन उमेश सैनी के साथ मारपीट कर दी लेकिन जुम्मेदार ग्रामीणों ने उसे बचाकर एक घर मे सुरक्षित रूप से बिठा दिया। बाद में पुलिस के मौके पर पहुचने के बाद उसे पुलिस की सुरक्षा में दे दिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद उद्योग नगर थाना पुलिस और ग्रामीण सीओ पिंटू कुमार मौके पर पहुंचे।

राजस्थान में आसपा (कांशीराम) ने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने अपने उम्मीदवारों के नामों की पहली सूची सोमवार को जारी कर दी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र शेखर आजाद ने पहली सूची में जयपुर, अलवर, करौली, गंगापुरसिटी, टोंक एवं पाली जिलों में 11 विधानसभा क्षेत्रों में अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है जिसमें जयपुर में मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से विनीत सांखला सैनी, आदर्शनगर से संजय वाल्मीक, चौमू से सत्यपाल चौधरी, फुलेरा से राकेश जोया, अलवर जिले में मुण्डावर से अनिल वाल्मीकि एवं थानागाजी से राजवीर मीणा को चुनाव मैदान में उतारा है। इसी तरह नवगठित गंगापुरसिटी जिले में टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र से इंजीनियर रजनीश मीणा 'मेहर', करौली से पप्पू गुर्जर, टोंक से शोएब खान, पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन से विजयराज परिहार एवं बाली से शैलेश मोसलपुरिया को अपना उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सत्यपाल चौधरी ने कहा कि पार्टी ने चुनाव के मद्देनजर टिकट वितरण सहित अन्य चुनावी गतिविधियां शुरु कर दी है और जिस तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित बड़ी पार्टियों में टिकट नहीं मिलने से जो नेता नाराज है, उनके हमारी पार्टी में आने की संभावना है।

पंजाब में बारिश का येलो अलर्ट जारी

15 जिलों में बीते 3 घंटे में तेज हवाओं के साथ बारिश; 1.9 डिग्री की तापमान में गिरावट

अमृतसर। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते उत्तर भारत में शनिवार रात से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार ठंडा रहने के बाद सोमवार की शुरुआत भी ठंडी हवाओं से हुई है। सुबह से बादल छाए हुए हैं और कई घंटों तक कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। पूरे पंजाब में बारिश की संभावनाएं बनी हुई हैं और बीच-बीच में आज हल्की बूंदाबांदी सारा दिन जारी रहेगी।

मौसम विभाग ने 10.30 बजे तक बरनाला, संगरूर, पटियाला, बठिंडा, श्री मुक्तसर साहिब, फरीदकोट, मोगा, फिरोजपुर, जालंधर, लुधियाना में ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। इस दौरान यहां तेज बारिश के साथ हवाएं चलीं।

माझा के पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर और तरनतारन में अच्छी बारिश हुई और पूरा दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। इसके अलावा पूरे पंजाब में आज बारिश के आसार बने हुए हैं और मौसम विभाग ने पूरे दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

तापमान में भारी गिरावट

शनिवार से वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते पूरे पंजाब के तापमान में गिरावट देखने को मिली है। रविवार को पंजाब के औसतन तापमान में 1.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतर शहरों का तापमान रविवार शाम को 30 डिग्री से कम ही दर्ज किया गया।

शहरों का तापमान

अमृतसर- शहर का न्यूनतम तापमान बीते दिन के मुकाबले 2.5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री दर्ज किया गया, लेकिन सुबह 9 बजे से शुरू हुई बारिश से ठंडक बढ़ी है। वहीं दिन का अधिकतम तापमान आज 28 डिग्री के करीब रहने का अनुमान है।

जालंधर- शहर का न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं बीते 24 घंटों में यहां 8.5 डिग्री बारिश दर्ज हुई है। आज भी यहां मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर रखा है। दिन का अधिकतम तापमान आज 28 डिग्री के करीब रहने का अनुमान है।

लुधियाना- शहर का न्यूनतम तापमान आज 18.1 डिग्री दर्ज किया गया है। बीते 24 घंटों में यहां 14.6 डिग्री बारिश दर्ज की गई। आज मौसम विभाग ने यहां ओरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दिन का अधिकतम तापमान 29 डिग्री के करीब रहने का अनुमान है।

हमास के समर्थन में वीडियो पोस्ट करने का आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

मंगलुरु। इजरायल-हमास के बीच चल रहे संघर्ष के बीच, दक्षिण कर्नाटक के मंगलुरु में एक व्यक्ति को आतंकवादी संगठन हमास की सराहना करने वाला एक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने आरोपी जाकिर को उस वीडियो को रिकॉर्ड करने के लिए गिरफ्तार किया, जिसमें हमास को देशभक्त बताया गया है और मुसलमानों से आतंकवादी संगठन के लिए प्रार्थना करने की अपील की गई है।

यह वीडियो पहले व्हाट्सऐप ग्रुप में शेयर किया गया और बाद में इसे एक्स पर पोस्ट करके वायरल किया गया, इसके बाद मंगलुरु पुलिस ने इस मामले को हाथ में लिया। आरोपी एक कब्रिस्तान में काम करता है, उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 153 (ए) (धर्म के नाम पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। जाकिर की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यकर्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज की थी। जाकिर को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पिछले सप्ताह आतंकवादी संगठन हमास ने इजरायल पर गंभीर हमला किया था और विदेशियों को बंधक बना लिया था जिसके बाद इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू हो गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ आरपार की लड़ाई का एलान किया है। इजरायली रक्षा बलों ने हमास के प्रमुख ठिकानों को निशाना बनाते हुए कई हमले किए हैं।

त्रिपुरा कांग्रेस ने की जाति आधारित जनगणना की मांग

अगरतला। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में जाति आधारित जनगणना की मांग की।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा कि कांग्रेस ने रविवार को यहां पार्टी की अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी)/अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)/अल्पसंख्यक इकाइयों की एक संयुक्त बैठक की और जमीनी स्तर पर गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई। साहा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ओबीसी समुदायों को लाभ प्रदान करने के लिए जाति जनगणना को तत्काल लागू करने की कांग्रेस की मांग को जानबूझ कर नजरअंदाज कर रही है। चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भाजपा ने दिखावा करने और देशवासियों को बेवकूफ बनाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित किया। उन्होंने कहा,भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए इसे एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने के इरादे से पिछले कई वर्षों तक इस बिल को दबाए रखा था, लेकिन इस अधिनियम से देश की महिलाओं को कैसे लाभ होगा, इसके बारे में अभी तक कोई घोषणा नहीं की गई है। देश की महिलाएं असुरक्षित हो गई हैं और महिलाओं पर अत्याचार कई गुना बढ़ गए हैं, लेकिन सजा आज भी सबसे न्यूनतम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा बार-बार समाज के समग्र विकास के लिए देश में जाति जनगणना की मांग करने के बावजूद केंद्र सरकार संविधान के परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने में कोई जल्दबाजी नहीं दिखा रही है।

कर्नाटक में भाजपा का विरोध प्रदर्शन, सरकार को बेहिसाब धन के लिए ठहराया जिम्मेदार

बेंगलुरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य की कांग्रेस सरकार को कांग्रेस पार्टी के लिए बेहिसाब धन का स्रोत बताते हुए जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने राज्य में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित सभी मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की। ठेकेदार अंबिकापति के घर से बेहिसाब 42 करोड़ रुपये का पता लगने पर इसका विरोध प्रदर्शन का आधार बनाते हुए भाजपा ने राज्य भर के मंडलों और जिला मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने आरोप लगाया कि संदेह है कि यह बेहिसाबी धन कांग्रेस पार्टी को चुनावी राज्यों में वित्तपोषण करने के लिए कमीशन के रूप में मिला हो। इन विरोध प्रदर्शनों को लेकर कई अहम मुद्दे उठाए जा रहे हैं, जिसमें सूखा, लोड शेडिंग, सरकारी अधिकारियों के अनियंत्रित तबादलों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था में गडबड़ी संबंधित मुद्दों को उजागर किया जा रहा है।

भाजपा ने ठेकेदार से बरामद राशि को कांग्रेस का बताया : सिद्दारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उस आरोप को निराधार बताया है, जिसमें उसने यह एक ठेकादार से यहां से आयकर विभाग के छापे में बरामद 50 करोड़ रुपये को कांग्रेस का बताया गया था।

सिद्दारमैया ने मैसुरू में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, यह आरोप निराधार है। ठेकेदार से किसी पार्टी से संबंध नहीं है। न हम उनसे कहते हैं और न वे लोग हमें देते हैं।

इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटिल ने आरोप लगाया कि ठेकेदार के यहां से बरामद धन का कांग्रेस से संबंध हैं।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने राज्य के विभिन्न जिलों तथा तालुका मुख्यालयों में इस मुद्दे को लेकर दो दिनों तक प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। पार्टी ने श्री सिद्दारमैया तथा उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से इस्तीफे की मांग की है।

कटिल ने दावा किया कि राज्य सरकार की ओर से ठेकेदारों को 600 करोड़ रुपये जारी करने और एक ठेकेदार के यहां से 45 करोड़ रुपये बरामद किए जाने के बाद कहा, जाहिर तौर पर अवैध पैसे का संबंध कांग्रेस से है और यहां उनका पैसा है।

उन्होंने कहा, मैं मांग करता हूं कि मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें। उन्होंने आरोप लगाया कि जब्त की गयी राशि का इस्तेमाल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में किया जाना था। उन्होंने कहा, कांग्रेस चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली राशि के लिए कर्नाटक में एटीएम सरकार चला रही है।

उधर, केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री प्रहलाद जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिर्फ कर्नाटक से 1,000 करोड़ रुपये संग्रहित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

गौरतलब है कि आयकर विभाग ने कर्नाटक में 45 जगहों पर छापा मारा था, जिनमें से ज्यादातर छापे बेंगलुरु में पड़े थे। इस दौरान आयकर विभाग ने 50 करोड़ रुपये जब्त किए थे, जिनमें से 42 करोड़ रुपये एक ठेकेदार और उसके पुत्र के पास से बरामद हुए थे। आयकर अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी की कार्रवाई गुरुवार को शुरू हुई थी और अभी भी जारी है।

बारिश व बर्फवारी के बीच रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे बदरी-केदार

श्री बदरीनाथ / केदारनाथ। उत्तराखंड स्थित श्री बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में रविवार से लगातार रूक-रूककर बारिश और बर्फवारी सोमवार को भी जारी रही। दोनो स्थानों में आज प्रातः से बारिश तथा दोपहर बाद बर्फवारी शुरू हो गयी। बदरीनाथ में बर्फ की हल्की चादर जम गयी है? तथा सर्दी बढ गयी है। केदारनाथ धाम ने भी बर्फ की चादर ओढ़ ली है। कहीं पर लगभग पांच तो कहीं दस से पंद्रह सेमी तक बर्फ जमी हैं।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि बर्फवारी के बीच तीर्थयात्री लगातार बदरीनाथ एवं केदारनाथ धाम पहुंच रहे है।

बर्फवारी के बावजूद, रविवार को 10,546 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ धाम के दर्शन किये। केदारनाथ में तीर्थयात्रियों की संख्या पहले ही 16,97,875 पहुंच गयी।

आज रिकॉर्ड 17 लाख से अधिक हो गयी है। इसी तरह बदरीनाथ धाम में आज प्रातःसे बारिश है दोपहर बाद बर्फवारी शुरू हो गयी शाम तक बर्फ जमने लगी। नीलकंठ पर्वत की तलहटी सहित ऊंची चौकियों बर्फ से ढ़क गयी है। लगातार बारिश रही तो बर्फवारी बढ सकती है?।

तीर्थयात्रियों की बात करें तो बदरीनाथ में रविवार को 5,719 तीर्थयात्रियों ने दर्शन कर लिए तथा तीर्थयात्रियों की संख्या 15,85,739 (पंद्रह लाख पिचासी हजार) पहुंच गयी। इस तरह केदारनाथ में अब तक विगत वर्षों की तुलना में दस से पंद्रह प्रतिशत अधिक श्रद्धालु पहुंचे है।

रविवार तक कुल 32,83,614 तीर्थयात्री बदरी-केदार पहुंचे है।

वहीं चारधाम पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या सवा अड़तालीस लाख पहुंची है।

श्री केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव / बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने कहा कि मौसम के मिजाज को देखते दोनों धामों में तीर्थयात्रियों के सर्दी से बचाव हेतु अलाव, गर्मपानी, स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्राथमिक उपचार/ स्वास्थ्य जांच, यात्रा मार्गदर्शन आदि की व्यवस्था की गयी है। जरूरत हुई तो मंदिर समिति भंडारे का भी आयोजन करेगी।

उल्लेखनीय है कि श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु भैया दूज 15 नवंबर को बंद हो रहे है जबकि श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि विजय दशमी को तय होनी है। इसके साथ ही चारधाम यात्रा का भी समापन हो जायगा।

आंध्र में लड़की को बहकाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

काकीनाडा। आंध्र प्रदेश में काट्रेनिकोना पुलिस ने काट्रेनिकोना मंडल के डोन्थिकुरू गांव में एक युवती को प्यार के नाम पर बहलाने-फुसलाने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में उप्पुडी गांव के सापे नागराजू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 21 वर्षीय नागराजू को सोमवार को प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस उपाधीक्षक एम. अंबिका प्रसाद ने मीडिया को युवक की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी और पीड़िता दोनों एक ही समुदाय के हैं तथा पिछले दो वर्षों से एक-दूसरे से प्यार करते हैं। जब युवती ने शादी के लिए युवक पर दबाव डाला, तो उसने मना कर दिया। युवती ने 13 अक्टूबर को सबूतों के साथ नागराजू के खिलाफ शिकायत दर्ज की और एसआईटी श्रीनिवास ने उसके खिलाफ बलात्कार एवं धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। मुम्मिदीवरम के सर्कल इंस्पेक्टर एन. कोंडैया ने इस मामले की जांच की। बड़े-बुजुर्गों की उपस्थिति में समझाने-बुझाने के बावजूद भी आरोपी ने पीड़िता से शादी करने से मना कर दिया जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर रिमांड में भेज दिया गया।

ओडिशा में ड्रग तस्कर गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस की विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने छापेमारी के दौरान एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 520 ग्राम वजन की प्रतिबंधित ब्राउन शुगर जब्त किया है। एसटीएफ सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर रविवार की रात क्योंझर टाउन थाना के अंतर्गत सिलुन चक में एसटीएफ, भुवनेश्वर और क्योंझर जिला पुलिस की एक टीम ने संयुक्त छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एसटीएफ टीम ने क्योंझर जिले के आनंदपुर पुलिस सीमा के तहत अंबो के देवानंद सामल को पकड़ा और उसके कब्जे से 520 ग्राम वजन वाली प्रतिबंधित ब्राउन शुगर तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। एसटीएफ की टीम ने ड्रग तस्कर द्वारा इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया है। आरोपी प्रतिबंधित सामग्री के कब्जे के समर्थन में कोई वैध प्राधिकारी प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद उसे हिरासत में लिया गया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए क्योंझर टाउन पुलिस को सौंप दिया गया। वर्ष 2020 के बाद से राज्य में नशीली दवाओं के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत एसटीएफ ने 72 किलोग्राम से अधिक ब्राउन शुगर या हेरोइन, 202 ग्राम कोकीन और 116 क्विंटल से अधिक गांजा या मारिजुआना, तीन किलो से अधिक अफीम (तीन किलोग्राम, 650 ग्राम) जब्त किया है और 182 से अधिक ड्रग डीलरों तथा तस्करों को गिरफ्तार किया है।

बालिका से अश्लील हरकत करने के आरोप में अधेड को सात वर्ष की कैद

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश ने एक अबोध बालिका से अश्लील हरकत करने का दोषी करार देते एक अधेड़ व्यक्ति को आज सात वर्ष कैदी की सजा सुनाई। विशिष्ट लोग अभियोजक नवप्रीत कौर संधू ने प्रकरण के तथ्यों की जानकारी देते बताया कि श्रीगंगानगर में पुरानी आबादी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 में 13 फरवरी 2020 की शाम को हुई इस घटना का मुकदमा बालिका के पिता द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर दर्ज हुआ था।

त्रिपुरा : मलेरिया के प्रकोप के बाद जारी अलर्ट

अगरतला। त्रिपुरा स्वास्थ्य विभाग ने बारामुरा और अथरमुरा की तलहटी में पिछले कुछ दिनों में मलेरिया के अचानक फैलने के बाद सोमवार को मलेरिया अलर्ट जारी कर लोगों को मच्छरों से बचने की सलाह दी।

रिपोर्ट के अनुसार एक साल का बालक और 65 वर्षीय महिला सहित कम से कम पांच लोग मलेरिया से संक्रमित पाए

गए हैं। अब संक्रमित लोगों का तीन दिनों से खोवाई जिले के तेलियामुरा उप-विभागीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा, तीर्थमणि रींगपारा में कम से कम पांच लोग बुखार से पीड़ित थे और उन्हें कई दिनों तक बिना देखभाल के छोड़ रखा गया था। पिछले हफ्ते स्थिति बिगड़ने पर उन्हें गंभीर हालत में तेलियामुरा अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मलेरिया से प्रभावित पाया गया।

लोगों के इसी तरह के बुखार से पीड़ित होने की खबरें आसपास के गांवों से भी आई हैं।

अधिकारियों ने कहा कि तीर्थमणि रियांग पारा की एक साल की बालिका लारी रूंग रियांग, उसके पिता गंगा जय रियांग, तीन साल की बालिका मारी रूंग रियांग, उसके पिता खजेंद्र रियांग, तेरह वर्ष का सुनील जॉय रियांग, 65 वर्षीय महिला मोसला बाती रियांग और एक अन्य सात वर्षीय लड़की का वर्तमान में तेलियामुरा उप-विभागीय अस्पताल में इलाज चल रहा है तथा कई अन्य लोग घरों में इलाज करा रहे हैं।

एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी से कहा, हम मलेरिया के और प्रसार को रोकने के लिए क्षेत्रों में पर्याप्त दवाओं के साथ अधिक चिकित्सा अधिकारियों को भेजने की भी योजना बना रहे हैं।

पूरे हिमाचल में 30 अक्टूबर को आयोजित होगी मुटेशन अदालत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को यहां प्रशासनिक सचिवों के साथ आयोजित 'मंडे मीटिंग' की अध्यक्षता की। बैठक में प्रदेश में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 अक्तूबर, 2023 को पूरे प्रदेश में मुटेशन (दाखिल-खारिज) अदालत आयोजित की जाएगी। इसके तहत सभी तहसील व उप-तहसील तथा बंदोबस्त सर्कल स्तर पर केवल लम्बित मुटेशन सत्यापन के मामलों पर निपटरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 22000 से अधिक ऐसे मामले लम्बित पड़े हैं। मुटेशन अदालत से आम आदमी को सुविधा के साथ ही उन्हें मूटेशन के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों में जाने से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुटेशन की प्रक्रिया समयबद्ध पूरी न होने के कारण लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है और इससे विकास कार्यों की प्रगति भी प्रभावित होती है।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है। व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय के साथ सरकार हर क्षेत्र में सार्थक और सकारात्मक कदम उठा रही है। उन्होंने अधिकारियों को मुटेशन अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नये पाठ्यक्रम आरम्भ किये जाएंगे। यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक और नवीन प्रौद्योगिकी पर आधारित होंगे। इनमें कृत्रिम मेधा का समावेश भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को गुणात्मक एवं व्यवहार्य बनाने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है।

मोदी ने राजस्थान के साथ किया धोखा

बारां। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राजस्थान के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से बनती नहीं है, ऐसे में राजस्थान की जनता के साथ धोखा क्यों किया जा रहा है। गहलोत सोमवार को यहां कांग्रेस के पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना जन जनागरण अभियान के शुरुआत के अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इनकी राजे से बनती नहीं है और यह इनका घरेलू मामला है, हम इसमें कुछ नहीं कहना चाहते हैं लेकिन इनका गुस्सा श्रीमती राजे पर है तो फिर राजस्थान की जनता से धोखा क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित क्यों नहीं कर रही है जबकि इससे हजारों हैक्टेयर में सिंचाई एवं तेरह जिलों के लोगों को पीने का पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना तो राजे के समय बनी है और इसके बाद मोदी द्वारा इसे राष्ट्रीय दर्जा दिए जाने का वादा करने के बाद भी इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं की जा रही है।

शार्ट न्यूज

अमृत पाल को दिया जाए शहीद का दर्जा

नोएडा। भारतीय किसान संगठन के एक प्रतिनिधि मंडल ने अशोक यादव प्रदेश प्रवक्ता के नेतृत्व में राजौरी जम्मू कश्मीर में जम्मू-कश्मीर राइफ़ल्स यूनिट में कार्यरत अग्नि वीर अमृतपाल की मृत्यु के उपरान्त सम्मान ने देने के विरोध में एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति के नाम नगर मजिस्ट्रेट नोएडा धर्मेंद्र कुमार को सौंपा। अशोक यादव ने कहा की देश प्रति अपने जान न्योछावर करने को आतुर रहने वाले जवानों को अगर सम्मान नहीं मिलता तो ये बहुत ही निन्दनीय हैं। सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने का जज्बा सिर्फ देश के जवानों में होता है। सरकार ने अग्नि वीर योजना निकाल कर वो जज्बा तोड़ने का काम पहले ही कर दिया। बाकी कसर अग्निवीर को सम्मान ने देकर पूरी कर दी। देश सेवा की भावना से युवा अग्नि वीर बनकर भी सेवा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अग्नि वीर अमृत पाल के साथ जो हुआ वो बर्दाश्त के बाहर हैं। कोटली कला जिला मनसा पंजाब के रहने वाले अग्नि वीर अमृत पाल अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। पिता किसान हैं,अब इस परिवार का भरण पोषण कैसे होगा ये भी सोचने का विषय है। सरकार ने अपनी सारी जिम्मेदारियों से पीछा छुड़ा लिया है। भारतीय किसान संगठन मांग करता है कि अग्नि वीर को सम्मान मिलना चाहिए। अग्नि वीर अमृत पाल को शहीद का दर्जा देकर अग्नि वीर को सम्मान दे।

सोसाइटी के 12वें फ्लोर पर लगी आग

नोएडा। नोएडा की हाइराइज सोसाइटी के 12वें फ्लोर पर आग लग गई। आग ने पूरे कमरे में फैल गई। दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि घर में रखा काफी सामान जलकर रखा हो गया। लेकिन, इस आग से कोई जन हानि नहीं हुई है। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे ने बताया कि उनको करीब एक बजे जानकारी हुई कि सेक्टर-113 के एक्सप्रेस जेनिथ सोसाइटी सेक्टर-77 के 12वें फ्लोर पर आग लगी थी। ये आग 12वें फ्लोर के फ्लैट नंबर 1203 में लगी थी। उन्होंने बताया कि घर में एक पूजा का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में शॉट सर्किट हुआ जिस कारण वहां आग लग गई। आग कमरे में तेजी से फैली। इस दौरान घर से सभी बाहर आ चुके है। पीड़ित गौरव जैन ने बताया कि आग से घर का सामान जलकर राख हो गया है लेकिन कोई जन नुकसान नहीं हुआ है। सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इसके बाद पाइप को सीढ़ियों के सहारे ऊपर तक पहुंचाया गया। इसके बाद प्रेशर के जरिए आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि हाइड्रोलिक की आवश्यकता नहीं पड़ी क्योंकि आग लगने के बाद पहले ही आसपास के फ्लोर वाले सुरक्षित बाहर आ चुके थे। आग पर काबू पाया जा चुका है। जांच की जा रही है।

कुट्टू का खाने से 40 से अधिक लोग बीमार

मोदीनगर। गाजियाबाद के मुरादनगर की आयुध निर्माणी व गांव कनौजा सहित कई कालोनियों में कुट्टू का आटा खाने से 40 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं। सभी को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक ही दुकान से आटा खरीदा गया है। नवरात्र में व्रत रखने वाले श्रद्धालु कुट्टू के आटे का सेवन करते हैं। आयुध निर्माणी परिसर, गांव कन्नौजा व न्यू डिफेंस कालोनी रहने वाले लोगों ने एक ही दुकान से कुट्टू का आटा खरीदा था। सोमवार सुबह सबसे पहले आयुध निर्माणी फैक्टरी परिसर में रहने वाले लोगों को उल्टी दस्त होने शुरू हो गए, चक्कर आने लगे। इतना ही नहीं कई लोग बेहोश भी हो गए। सारिका, नितिन, मन्यक, शशिबाला, वीएस राणा, नीतू, तरुण वन्दना, दश, गुलशन, रेखा, अंशु, पुप्सा, सारिका, यश त्यागी, आभा, गरिमा त्यागी, आदित्य, सूरज अनुपम, आरती, मानसी रेखा सहित 40से अधिक लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही उप जिलाधिकारी व थाना प्रभारी मुकेश सोलंकी मौके पर पहुंचे। उप जिलाधिकारी संतोष राय ने बताया कि एक दुकान से 80 किलो कुट्टू का आटा बेचा गया था। उसके खाने से ही लोग बीमार पड़े हैं। कुट्टू के आटे का सैंपल जांच के लिए भेज दिया गया है।

सौतेली मां ने किशोर का गला दबाकर की हत्या

मोदीनगर। मोदीनगर में डबल स्टोरी कॉलोनी में 12 साल के बच्चे की सौतेली मां ने हत्या कर शव को सीवर लाइन के गटर में फेंक दिया। शव पर दो बड़े पत्थर बांधे गए थे। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। गोविन्दपुरी स्थित डबल स्टोरी कॉलोनी निवासी राहुल कुमार परिवार सहित रहते है। राहुल कुमार ने दूसरी शादी की थी। उनकी पहली पत्नी से 12 वर्षीय पुत्र शब्द कक्षा 4 का छात्र था। वह रविवार दोपहर 3 बजे के आसपास अचानक से लापता हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिला, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सोमवार सुबह किशोर के लापता होने की सूचना मोदीनगर थाने में दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस जांच करने पीड़ित के घर पहुंची। पुलिस ने घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज चेक किया, तो पता चला कि वह घर से बाहर नहीं निकला है। इसके बाद पुलिस ने उसके घर में ही तलाश करनी शुरू की। घर के बाहर सीवर लाइन का गटर का ढक्कन टूटा हुआ था। जब पुलिस ने उसमें तलाश शुरू किया, तो शब्द का शव बरामद हुआ। शव से दो बड़े पत्थर बांधा हुआ था। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि सौतेली मां ने ही 12 साले के बच्चे की हत्या की है। महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही पूरी घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

हरदीप सिंह पुरी ने नृत्य नाटक 'श्री राम' के 67वें संस्करण का उद्घाटन किया

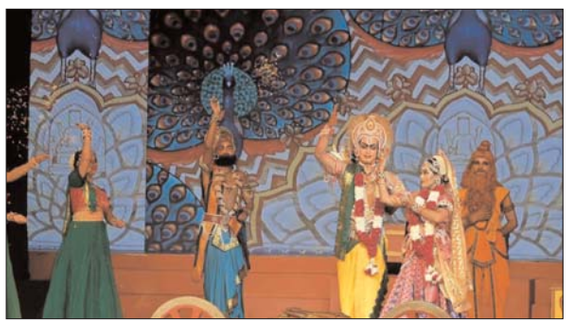

नई दिल्ली। दिल्ली में त्योहारों को तैयारियां कुछ ऐसे हुई। माननीय मुख्य अतिथि श्री हरदीप सिंह पुरी (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री और आवास और शहरी मामलों के मंत्री) ने रविवार, 15 अक्टूबर, 2023 को श्रीराम भारतीय कला केंद्र द्वारा प्रसिद्ध 'श्री राम' के 67वें संस्करण का उद्घाटन किया। 5 नवंबर, 2023 तक प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से 9.15 बजे तक ओपन एयर केंद्र लॉन, स 1, कोपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली में एक घंटे की प्रस्तुति आयोजित की जाएगी।

पद्मश्रीशोभा दीपक सिंह द्वारा परिकल्पित और कोरियोग्राफ किया गया, 'श्री राम' एक ऐसी विरासत है जिसे उन्होंने दशकों से कायम रखा है। प्रोडक्शन की 67वें प्रस्तुति का अनावरण करते हुए शोभाजी ने कहा, श्री राम मेरे जीवन का आह्वान हैं। यह उन सभी चीजों का प्रतीक है जो मुझे प्रिय हैं-मेरी संस्कृति, मेरी आस्था और कला के प्रति मेरी प्रतिबद्धता। छह दशकों से अधिक समय से, मैंने नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से दुनिया के साथ रामायण की कालजयी कहानी को साझा करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। श्री राम ने मुझे प्रेम, साहस और दृढ़ता का सही अर्थ सिखाया है, और मैं इसके सिद्धांतों के अनुसार अपना जीवन जीने के अवसर के लिए आभारी हूं।मैं यही सीख आने वाली पीढ़ियों तक लाने की कोशिश कर रही हूं।

इस अवसर पर, माननीय मुख्य अतिथि श्री हरदीप सिंह पुरी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री और आवास और शहरी मामलों के मंत्री ने कहा, श्रीराम भारतीय कला केंद्र के सौंदर्यपूर्ण माहौल और अंतरराष्ट्रीय स्तर के लाइव प्रदर्शन के साथ मेरा एक लंबा जुड़ाव है। ।दिव्य आभा और विश्व स्तरीय कृत्यों के बीच, मुझे केंद्र की रामलीला, एक आध्यात्मिक ओडिसी का उद्घाटन करने का अवसर मिला है। यह वीरता, विश्वास और अखंडता की एक कथा है जो सीमाओं से परे है। आइए इसके समावेशी लोकाचार को अपनाएं, जो हर भारतीय के साथ गूंजता है। जैसा कि हमारा संविधान दर्शाता है , श्री रामलीला का सार कायम है। केंद्र की रामलीला के जादू में डूबते हुए हम सभी नेक मार्ग पर चलें।

शोभा जी ने आगे कहा, श्रीराम भारतीय कला केंद्र के प्रति मेरा समर्पण आज भी अटल है। मैं आज भी हमारे नर्तकों को उनकी जीवंत वेशभूषा में देखकर रोमांचित हो जाती हूं, जिससे मेरी कोरियोग्राफी जीवंत हो जाती है। इस प्रदर्शन से जो खुशी सभी कलाकारों और हमारे दर्शकों को मिलती है वो सर्वोपरी है।

'श्री राम' एक जीवंत और मंत्रमुग्ध कर देने वाला दृश्य है जो नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से महाकाव्य रामायण को जीवंत करता है। इस क्षेत्र में श्रीराम सबसे पुराना उत्पादन, एक सांस्कृतिक संस्थान के रूप में विकसित हुआ है, जो सात दशकों से अपनी सौंदर्य प्रतिभा, भावनात्मक गहराई और कालातीत नैतिक मूल्यों के लिए प्रतिष्ठित है। राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों सहित अनगिनत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा साक्षी, 'श्री राम' भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कलारियापट्टू, मयूरभंज चाऊ और उत्तर भारत के लोक नृत्यों सहित भारतीय शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य शैलियों और मार्शल आर्ट की एक विविध श्रृंखला के साथ बनाया गया है।

निर्देशक शोभा दीपक सिंह की उत्साही कलात्मकता के तहत, उत्पादन पिछले तीस वर्षों के दौरान नृत्य और मार्शल तकनीकों, बदलते मंच डिजाइन और प्रकाश व्यवस्था, रंगीन वेशभूषा, हेडगियर और आभूषण और विविध मेकअप शैलियों के एक समृद्ध और शानदार शो के रूप में विकसित हुआ है। इस वार्षिक शो की एक उल्लेखनीय विशेषता समय और नई पीढ़ियों के बदलते स्वाद के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए नई तकनीक के साथ प्रयोग करने का निरंतर प्रयास है। शो को पृष्ठभूमि में आश्चर्यजनक दृश्यों और एनिमेटेड दृश्यों को प्रदर्शित करने वाली एलईडी वॉल के साथ और भी समृद्ध किया गया है, जिससे सेट पर 3डी प्रभाव मिलता है।

बवाना से रिठाला मैट्रो स्टेशन तक डीटीसी की नई बस सेवा 990-सी का शुभारंभ

नई दिल्ली। दिल्ली मूल ग्रामीण प्रोग्रेसिव ग्रुप के शिव शौकीन, एडवोकेट परमजीत कौशिक, शिक्षाविद् एवं ग्रामीण यात्री परिषद् के अध्यक्ष दयानंद वत्स भारतीय के सान्निध्य में आज शारदीय नवरात्र के पहले ही दिन दिल्ली सरकार के लोकप्रिय परिवहन मंत्री माननीय श्री कैलाश गहलोत ने बवाना से रिठाला मैट्रो स्टेशन तक डीटीसी के नए रुट 990 सी का हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। ग्रामीण यात्री परिषद् के अध्यक्ष और डीटीसी कम्यूटर्स वैलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट दयानंद वत्स भारतीय बरवाला इस रुट को चलवाने के लिए कई साल से प्रयासरत थे। इस रुट को चलाने के लिए दयानंद वत्स भारतीय ने माननीय परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत, श्री शिव शौकीन और एडवोकेट परमजीत कौशिक का आभार जताया है। वत्स ने कहा कि बवाना विधानसभा क्षेत्र के किसी भी गांव से रिठाला मैट्रो स्टेशन तक डीटीसी की कोई बस सेवा नहीं थी। यह बस रुट बवाना से वाया अदिति कालेज, बवाना औद्यौगिक क्षेत्र,पूठखुर्द, बरवाला, प्रहलादपुर बांगर, जैन कालोनी महादेव चौक, सेक्टर-24-25 होकर रिठाला मैट्रो स्टेशन तक चलाया गया है। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस रुट के चलने से बवाना गांव की रिठाला मैट्रो स्टेशन तक सीधी कनेक्टिविटी हो गई है। इससे क्षेत्र के गांवों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस रुट पर एसी इलैक्ट्रिक बसें परिचालन में लगाई हैं। श्री कैलाश गहलोत ने उपस्थित ग्रामीणों से जन-संचार भी किया और कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के हर नागरिक को विश्वस्तरीय एसी इलैक्ट्रिक बसें दिल्ली सरकार सुलभ कराएगी।

आरटीई के तहत एडमिशन नहीं होने पर महापंचायत

एजेंसी

नोएडा। किसान एकता संघ के सदस्यों ने राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह के नेतृत्व में सेक्टर 21 स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल पर महापंचायत की। दरअसल, स्कूल द्वारा आरटीई के तहत चयनित बच्चों के दाखिला नहीं लिया गया था। इस मौके पर संघ ने नगर मजिस्ट्रेट को 10 मांगों का पत्र सौंपा। नगर मजिस्ट्रेट ने पूरे नोएडा के चयनित बच्चों का 7 दिन में दाखिला करवाने का आश्वासन देकर पंचायत समाप्त करवाई। प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने बताया की बाल भारती पब्लिक स्कूल के द्वारा इस वर्ष आरटीई के तहत स्कूल में 46 बच्चों का चयन हुआ था। जिसमें केवल 3 बच्चों का ही दाखिला स्कूल ने लिया। इस तरह पूरे जिले में विभाग के साथ मिलकर कुछ स्कूल धाँधलेबाजी करते आ रहे हैं। पिछले दो सालों से सिर्फ 20-30 प्रतिशत चयनित बच्चों के दाख़िला ही स्कूल ने लिए हैं जबकि बीएसए 80 प्रतिशत का गलत आंकड़ा शासन में भेजकर प्रदेश भर में वाहवाही लूटने का काम करती हैं। यह शर्मनाक है और जिले को कलंकित करने का काम किया है। मीडिया प्रभारी अविनाश सिंह ने बताया की कितना दुखद है दिव्यांग , ऑटो ड्राइवर, कुक जैसे पेरेंट्स पिछले छह माह से इन अधिकारियों और स्कूल के चक्कर काट रहे हैं।

नोएडा के जिम्स हॉस्पिटल में नर्सिंग स्टाफ का धरना प्रदर्शन

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स में नर्सिंग स्टाफ सुबह से ही धरने पर बैठा हुआ है। सैकड़ों की तादाद में यह लोग अस्पताल परिसर में ही धरने पर बैठे हुए हैं। अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी कर रहे हैं। इन लोगों का आरोप है कि उन्होंने महामारी में अपनी जान को जोखिम में डालकर काम किया था। उसके बावजूद भी उनको परमानेंट नहीं किया जा रहा है।

जिम्स अस्पताल में धरने पर बैठे हुए नर्सिंग स्टाफ के लोगों ने बताया कि उन लोगों ने कोरोना काल में अपनी जान को जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई थी। अपना कार्य किया था। इन लोगों ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ को परमानेंट नहीं किया जा रहा है। जबकि परमानेंट करने के लिए नए लोगों की भर्ती की जा रही है, जो सरासर गलत है। इन लोगों ने बताया कि अब हम लोगों के साथ यह सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इसी बात को लेकर सभी नर्सिंग स्टाफ में भारी रोष है और उसी को लेकर आज सुबह 8: 00 बजे से सभी धरने पर बैठ गए हैं। जब तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा, हमारा यह धरना लगातार चलता रहेगा। नर्सिंग स्टाफ की तरफ से कहा गया है कि अस्पताल प्रशासन ने कोरोना महामारी के बाद 25 प्रतिशत वेतन बढ़ाने की भी बात कही थी लेकिन इस बात से भी वह मुकर गए। न वेतन बढ़ा और अब तो नौकरी से निकालने की भी तैयारी की जा रही है।

केजरीवाल ने झूठे मामलों में फँसाने का मोदी पर लगाया आरोप

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें झूठे मामलों में फँसाने की कोशिश कर रहे हैं। केजरीवाल ने सोमवार को एक्स कर कहा,यह 2015 की घटना है। मोदी सरकार 2015 से मुझे झूठे केसों में फँसाने की कोशिश कर रही है। लोगों पर तरह तरह के दबाव बना कर उन्हें मेरे ख़िलाफ़ बयान देने के लिए कहा जाता है। कई लोगों को तो यातनाएँ भी दी गयीं। उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए काम करने के बजाय 24 घंटे अपने विरोधियों को झूठे मामलों में फँसाने के षड्यंत्र रचते रहते हैं। वहीं आप नेताओं का यह भी आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी और उनके नेता आप पार्टी की लोकप्रियता और विस्तार से डरे हुए हैं।

गोपाल राय ने की पौधारोपण अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत

एजेंसी

नयी दिल्ली । दिल्ली के वन एवं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को यहां गढ़ी मांडू से पौधारोपण अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत करते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली को हरा भरा करने के लिए इस साल 40 लाख से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं जबकि 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

राय ने कहा कि 2020 में जबसे हमारी सरकार बनी है, तब से 2022-23 तक एक करोड़ 18 लाख पौधे लगाए गए हैं। इस वर्ष भी हमारी सरकार ने 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे 21 संबंधित विभागों की हरित एजेंसियो के द्वारा पूरा किया जा रहा है। अभी तक 40 लाख पौधे लगाए और वितरित किए जा चुके हैं और करीब 77 फीसद वृक्षारोपण का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा 50 लाख पौधे एनडीएमसी द्वारा लगाए जा रहे हैं।

उन्होंने पौधारोपण अभियान में शामिल होने के लिए दिल्लीवासियों से अपील करते हुए कहा कि अगर पौधारोपण को अपनी संस्कृति और रोजाना की जिंदगी में शामिल करेंगे तो प्रदूषण की समस्या से निजात पा सकेंगे। उन्होंने कहा,मुझे भरोसा है कि हम सब मिलकर इस पौधारोपण अभियान को सफल बनाएंगे और दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ जो लड़ाई है, उसे और भी मजबूती के साथ लड़ेंगे।

महाराजा अग्रसेन कॉलेज में मनाई गई महाराजा अग्रसेन जयंती

महाराजा अग्रसेन कॉलेज (दिल्ली विवि) में महाराजा अग्रसेन जयंती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परिसर स्थित महाराजा अग्रसेन कॉलेज की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अथिति सुभाष गुप्ता, चेयरमैन, महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल ट्रस्ट ने कहा कि महाराजा अग्रसेन से हमें यह शिक्षा लेनी चाहिए कि हम जो करेंगे देश के हित के लिए करेंगे महाराजा अग्रसेन ने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सकारात्मक पहल की थी. उन्होंने अपनी आय का एक हिस्सा सामाजिक व्यवस्थाओं के लिए दान करने का सुझाव दिया था.

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजीव कुमार तिवारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाराजा अग्रसेन के दूरदर्शी दृष्टिकोण और वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन ने 'एक ईंट एक रुपया' के अभियान के द्वारा सभी के आवास और व्यापर के जरिये जीविकोपार्जन की व्यवस्था की थी. जो आज भी इतनी बड़ी आबादी में एक अति आवश्यक पहल के रूप में महसूस की जा रही है.

इस तरह की सामाजिक सुरक्षा व सामाजिक सद्भाव की शिक्षा हमें महाराजा अग्रसेन के जीवन से लेनी चाहिए ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन ने बताया कि महाराजा अग्रसेन ने अपने जीवनकाल में देश एवं समाज की उन्नति का आधार उसके सामाजिक, आर्थिक और व्यापारिक हितों के उत्थान में देखा था. भारत सोने की चिड़िया था तो उसकी तह में सोने की खदानें नहीं बल्कि व्यापारिक क्रिया-कलाप थे. व्यापार की इस सोच को महाराजा अग्रसेन ने अपने राज्य अग्रोहा में पूरी तरह स्थापित किया था.

कार्यक्रम में कालेज गवर्निंग बॉडी के कोषाध्यक्ष प्रो. सतीश अवस्थी ने भी अपने विचार व्यक्त किया. इस अवसर पर भरी संख्या में शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद थे।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. आभा मित्तल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आरती नागर ने किया ।

बिल्डर के खिलाफ बैनर लेकर किया विरोध

नोएडा। रजिस्ट्री और अधूरी परियोजना को पूरा करने के लिए सेक्टर-120 स्थित आरजी रैजीडेंस के निवासियों ने बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने सोसाइटी में बैनर लेकर कई चक्कर लगाए। इसके बाद सड़क पर गए वहां भी जमकर नारेबाजी की। सोसाइटी के लोगों का कहना है बिल्डर , प्राधिकरण और जन प्रतिनिधि तीनों ही उनकी नहीं सुन रहे। प्रदर्शन के अलावा उनके पास कोई विकल्प भी नहीं है। सोसाइटी एओए के अध्यक्ष प्रदीप जैसवाल ने बताया कि उनके यहां 500 से अधिक रजिस्ट्री

लंबित है। बिल्डर के पास 7.5 करोड़ रुपए , क्लब , स्विमिंग पूल , कम्युनिटी हॉल आदि जो उसने अपने ले आउट में दिखाया अब तक सोसाइटी वासियों को नहीं मिला। वो फ्लैट की पूरी रकम जमा कर चुके है। इसके बाद सुविधा नहीं मिली। जबकि हर बार प्राधिकरण और प्रशासन सिर्फ आश्वासन ही देते है। सोसाइटी वासियों ने कहा कि हम कानूनी लड़ाई तो लड़ेंगे साथ ही बिल्डर और प्राधिकरण के बीच साठगांठ से जो रजिस्ट्री नहीं हो रही हो पाई इसे उजागर भी करेंगे। इस कड़ी में बिल्डर की नाकामी और जालसाज़ी को नए टावर के नए खरीदारों के सामने उजागर करते हुए उन्हें सचेत रहने को कहा। उन्होंने बताया कि 55 करोड़ की डिफॉल्ट के बाद भी नए टावर की एफएआर अनुमति प्राधिकरण ने बिल्डर को दी। ये मिलीभगत का प्रमाण भी है।

गाजियाबाद में 10 साल की बच्ची के साथ रेप

मोदीनगर। गाजियाबाद में मुरादनगर की नगर की एक कॉलोनी में घास काटने के बहाने खेत में ले जाकर 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म का विरोध करने पर छात्रा की बेहरमी से पिटाई भी की गई। पीड़ित परिवार ने इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। नगर की एक कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहते हैं। उनकी 10 साल की पुत्री कक्षा दो की छात्रा है। वह अपने घर में खेल रही थी। सात बजे के आसपास पड़ोसी 40 साल का व्यक्ति आया और बोला कि खेत से घास लानी है और बच्ची को मेरे साथ खेत में भेज दो। वह मेरी मदद कर देगी। एक घंटे बाद छात्रा अपने घर पहुंची तो रो रही थी और काफी डरी हुई थी। वह जोर जोर से रो रही थी और कुछ बताने को तैयार नहीं थी। काफी देर बाद बच्ची ने बताया कि चाचा ने खेत में ले जाकर मेरे साथ गंदा काम किया है। विरोध करने मेरे साथ मारपीट भी की। इतना ही यह बात किसी को बताने पर माता पिता को जान से मारने की धमकी दी है। यह कहते ही छात्रा बेहोश होकर नीचे गिर गई। इसके बाद परिजनों ने बच्ची को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। मुरादनगर थाने में तहरीर दी।

पांच सदस्य समिति परखेंगी खाने की गुणवत्ता

नोएडा। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में बालिकाओं को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच के लिए पांच सदस्य समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति हर महीने शासन को रिपोर्ट सौंपेगी। छात्राओं को मिलने वाले भोजन की खराब गुणवत्ता के बाद यह कदम उठाया गया है। इस सीमिति में खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार, वॉर्डन और एक विद्यालय प्रबंधन की महिला सदस्य होंगे। शिकायतें मिली रही थीं कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में खराब गुणवत्ता की खाद्यान्न सामग्री खरीदी जा रही है।

45 साल बाद भारत में आयोजित हो रही है वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस

अध्ययन क्षेत्र के साथ ही सामान्य जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है एंथ्रोपोलॉजी : प्रो. योगेश

नई दिल्ली। भारत में 45 वर्षों के बाद IUAES वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। इस 19वीं IUAES-WAU वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस-2023 का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में रविवार, 15 अक्टूबर सांय को हुआ। इस कार्यक्रम में 70 देशों के मानव विज्ञान और संबद्ध विषयों के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और विद्वानों ने भागीदारी की। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश

सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि एंथ्रोपोलॉजी न केवल अध्ययन के क्षेत्र के रूप में महत्वपूर्ण है, बल्कि सामान्य रूप से जीवन के लिए भी इसकी प्रासंगिकता बहुत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही उन्होंने कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक वाइस रीगल लॉज में होने को भी एक सुखद संयोग बताया।

कार्यक्रम के दौरान IUAES के अध्यक्ष प्रोफेसर जुन्जी कोइज़ुमी ने अपने संबोधन में प्रोफेसर सौमेंद्र एम. पटनायक का आभार व्यक्त किया, जिन्हें 2018 से IUAES के उपाध्यक्ष के रूप में सेवा देने के बाद अगले चार वर्षों के लिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया था। प्रोफेसर जुन्जी ने IUAES के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पहली कांग्रेस 1934 में लंदन में आयोजित हुई थी। उसके बाद एशिया सहित दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में इसका आयोजन हुआ। भारत ने 1978 में प्रोफेसर एल.पी. विद्यार्थी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम की मेजबानी की थी। उन्होंने कहा कि संस्थानों के माध्यम से IUAES अधिक सक्रिय हुआ है।

संपादकीय

आर्थिक रिश्तों का नया अध्याय

सन 2015 में भारत के प्रधानमंत्री ने जब श्रीलंका की यात्रा की थी, तब दिल्ली और कोलंबो के बीच सीधी विमान सेवा की शुरुआत हुई थी। बाद में 2019 में चेन्नई और जाफना के बीच भी सीधी उड़ान शुरू हुई। कई बार सामान्य लगने वाली कोई पहलकदमी दो देशों के बीच संबंधों के नए आयाम रचती है।

हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसके जरिए दोनों देश आगे का कौन-सा रास्ता अख्तियार करते हैं। शनिवार को भारत और श्रीलंका के बीच शुरू हुई नौका सेवा की व्यावहारिक अहमियत यही है कि इससे एक बार फिर दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा मिलेगी। इससे राजनयिक मोर्चे पर भी संबंधों का नया सिरा खुलेगा। गौरतलब है कि तमिलनाडु के नागपट्टिनम से लेकर श्रीलंका के जाफना के पास कांकेसंतुरई तक नौका सेवा की शुरुआत को दोनों देशों के बीच संबंधों में नई शुरुआत माना जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि हम भारत और श्रीलंका के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंधों का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं और यह इस मामले में एक मील का पत्थर साबित होगा। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने भी नौका सेवा की शुरुआत को लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। यों भी, संपर्क कायम रखने के मामले में सहजता दोनों देशों के बीच साझेदारी का एक केंद्रीय विषय रही है, क्योंकि यह व्यापार, पर्यटन से लेकर लोगों के बीच संवाद की नई स्थितियों की रचना करती है। वहीं युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में भी यह काफी सहायक होती है।

पड़ोसी होने के नाते भारत और श्रीलंका के लिए यह राजनयिक के साथ-साथ भौगोलिक दृष्टि से भी एक जरूरी पहलू हो जाता है। इस लिहाज से पिछले करीब एक दशक में दोनों देशों के बीच परिवहन संपर्क के स्तर पर सहयोग में बढ़ोतरी हुई है। सन 2015 में भारत के प्रधानमंत्री ने जब श्रीलंका की यात्रा की थी, तब दिल्ली और कोलंबो के बीच सीधी विमान सेवा की शुरुआत हुई थी। बाद में 2019 में चेन्नई और जाफना के बीच भी सीधी उड़ान शुरू हुई। अब नागपट्टिनम और कांकेसंतुरई के बीच नौका सेवा को इसी दिशा में एक कड़ी माना जा सकता है। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से संस्कृति, सौहार्द और सहयोग आधारित संबंध रहे हैं। बीच में उपजी कुछ आशंकाओं के बाद अब फिर संबंधों में मजबूती के नए दरवाजे खुलते दिख रहे हैं।

भारत और श्रीलंका के बीच शुरू हुई नौका सेवा, कनेक्टिविटी से दोनों देशों को व्यापार, पर्यटन में ऐसे मिलेगा फायदा

दरअसल, बीते कुछ सालों के दौरान अपनी आंतरिक परिस्थितियों और समीकरणों की वजह से श्रीलंका का झुकाव चीन की ओर हुआ था। इस क्रम में चीन ने आर्थिक व्यूह-रचना के बूते श्रीलंका को अपने दायरे में बांधने की पूरी कोशिश की।

हालांकि उसके बाद से नतीजा यह होना चाहिए था कि श्रीलंका की माली तस्वीर सुधरती। मगर इसके उलट, भारी कर्ज की वजह से आर्थिक मोर्चे पर उसकी हालत यह हो गई कि पिछले साल वहां एक तरह से जनविद्रोह हो गया और व्यापक अराजकता फैल गई थी। उससे संभलने और उबरने में श्रीलंका को काफी जद्दोजहद करनी पड़ी। अब श्रीलंका चीन के जाल से बाहर आने के लिए नए सिरे से खड़ा होने की कोशिश कर रहा है। भारत की ओर उसके बढ़ते कदमों को इसका संकेत माना जा सकता है। कुछ समय पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की भारत यात्रा के दौरान भी दोनों देशों ने आर्थिक साझेदारी के लिए दृष्टि-पत्र अपनाने की घोषणा की थी। उस दौरान बनी सहमति के बाद अब उम्मीद की जानी चाहिए कि नौका सेवा से भारत-श्रीलंका के बीच संपर्क बढ़ेगा, व्यापार को रफ्तार मिलेगी एवं लंबे समय से कायम रिश्ते और मजबूत होंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष की सियासी चुप्पी

सर्वोच्च न्यायालय ने हालांकि यह भी कहा कि वह विधानसभा अध्यक्ष के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे रहा, मगर जहां कहीं संवैधानिक मूल्यों का हनन होता है, वहां उसे दखल देना भी पड़ता है।

अदालती फैसलों और निर्देशों को नजरअंदाज करना जैसे सत्तासीन लोगों की आदत हो गई है। अक्सर वे न्यायालय के निर्देशों पर टालमटोल करते देखे जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का रवैया भी कुछ वैसा ही है। इस पर नाराजगी जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि विधानसभा अध्यक्ष इस तरह न्यायालय के निर्देशों को नजरअंदाज और निष्प्रभावी करने की कोशिश नहीं कर सकते।

न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष को एक हफ्ते के भीतर समय-सीमा तय करने को कहा है। दरअसल, महाराष्ट्र में शिवसेना से अलग होकर छप्पन विधायकों ने भाजपा से हाथ मिला लिया और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बन गई। इस पर शिवसेना ने विधानसभा अध्यक्ष से गुहार लगाई कि वे अलग हुए विधायकों को अयोग्य घोषित करें।

इस संबंध में चौंतीस अर्जियां लगाई गई हैं, मगर विधानसभा अध्यक्ष ने उन पर ध्यान नहीं दिया। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय से अपील की गई कि वह विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता संबंधी अर्जियों पर फैसला सुनाने का आदेश दे। मई में जब सर्वोच्च न्यायालय ने उद्धव ठाकरे सरकार गिराने के मामले में सुनवाई करते हुए फैसला दिया, तभी विधानसभा अध्यक्ष को भी निर्देश दिया था कि वे विधायकों की अयोग्यता संबंधी मामले में फैसला सुनाएं।

उस निर्देश के बाद करीब पांच महीने बीत गए, मगर विधानसभा अध्यक्ष यही कहते रहे हैं कि समय आने पर वे इस मामले में फैसला सुनाएंगे। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष ऐसा कह कर नहीं टाल सकते। यह फैसला अगले विधानसभा चुनाव से पहले हो जाना चाहिए, नहीं तो फिर उसका कोई संवैधानिक महत्त्व नहीं रह जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने हालांकि यह भी कहा कि वह विधानसभा अध्यक्ष के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे रहा, मगर जहां कहीं संवैधानिक मूल्यों का हनन होता है, वहां उसे दखल देना भी पड़ता है। यह सर्वोच्च न्यायालय की कठोर टिप्पणी है। उम्मीद की जाती है कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष इसे गंभीरता से लेंगे। मगर महाराष्ट्र में जिस तरह के राजनीतिक समीकरण बने हुए हैं, उसमें विधानसभा अध्यक्ष किस हद तक संवैधानिक मूल्यों की रक्षा कर पाएंगे, देखने की बात है। मामला केवल शिंदे के साथ गए विधायकों की अयोग्यता का नहीं, राकांपा से अलग होकर शिंदे सरकार में शामिल हुए विधायकों का भी है। मगर विधानसभा अध्यक्ष इन दोनों मामलों में चुप्पी साधे हुए हैं, तो इसकी वजह भी प्रकट है। जिस तरह एकनाथ शिंदे की अगुआई में शिवसेना के विधायक कई दिनों तक अलग-अलग शहरों में भागते फिर रहे थे और उनका आतिथ्य भाजपा के लोग संभाले हुए थे, उसी से जाहिर हो गया था कि उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने की साजिश रची गई है। फिर जिस नाटकीय ढंग से एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया, उसके बाद अनेक संवैधानिक सवाल उठने शुरू हो गए थे। यही प्रक्रिया तब भी दोहराई गई, जब राकांपा से अलग होकर आठ विधायकों ने शिंदे सरकार में महत्त्वपूर्ण ओहदे हासिल कर लिए। विधानसभा अध्यक्ष को यह अधिकार है कि वे दलबदल कानून के तहत विधायकों की सदस्यता जांचें-परखें। मगर जैसा कि पहले भी अनेक मौकों पर देखा गया है, जब भी इस तरह कोई सरकार गिराई और जोड़तोड़ कर नई सरकार बनाई जाती है, तो विधानसभा अध्यक्ष सियासी चुप्पी साध लेते हैं। महाराष्ट्र के मामले में भी यही हुआ। पहले ही इन घटनाओं से संवैधानिक मूल्यों को काफी नुकसान हो चुका है, अब विधानसभा अध्यक्ष से अपेक्षा की जाती है कि वे अगले चुनाव से पहले निष्पक्ष फैसला सुनाएं।

अंत: शुद्धि का महापर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि हिन्दू धर्म के लोगो द्वारा मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति-देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है।

नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं।

इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है।

इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए।

महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है।

नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुतः नवरात्र अंतःशुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

पर्यावरण के प्रति उदासीनता और लापरवाही

जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है।

रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

जिंदगी के हर पल

जिंदगी के हर पल चमकदार नहीं होते,
जिंदगी में हर पल चमत्कार नहीं होते।

ईमान और पसीने से बनती है जिंदगी,
बेईमान कभी भी इज्जतदार नहीं होते।

अच्छी नियत साफ इरादे रखिए जनाब,
आस्तीन के सांप कभी वफादार नहीं होते ।

गर नमक खाया वतन का तो अदा कर पूरा
नमक हराम कभी अच्छे पहरेदार नहीं होते

जख्म पर अपने मरहम की उम्मीद मत कर हर किसी से से
उठे हुए हर हाथ मददगार नहीं होते

जमाने की चकाचौंध से फिसल मत जाना संजीव,
सफेद लिबास में हर कोई ईमानदार नहीं होते

संजीव ठाकुर
रायपुर

भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है ई- कचरा

(सीए) मनीष कुमार गुप्ता

क्या है ई-कचरा ?

ई-कचरा यानी एक ऐसा इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सामान, जिसे खराब होने या रिपेयर नहीं हो पाने पर या ठीक से काम नहीं करने पर फेंक दिया जाता है। दरअसल ई-कचरा इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट के लिए इस्तेमाल होने वाला छोटा स्वरूप है और इस शब्द का प्रयोग पुराने या अंत में छोड़े गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। इसमें अनेक घटक, उपभोग्य वस्तुएं और पुर्जे शामिल होते हैं।

ई-कचरा न केवल भारत के लिये बल्कि समूची दुनिया के पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है। सभी इलेक्ट्रानिक और इलेक्ट्रिकल उपकरणों तथा उनके पार्ट्स , जो उपभोगकर्ताओ द्वारा दोबारा इस्तेमाल नहीं जाता है। ग्लोबल ई-वेस्ट मानिटर-2020 के मुताबिक चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक देश है। चूंकि इलेट्रिकल और इलेक्ट्रानिक उपकरणों को बनाने में खतरनाक पदार्थों का इस्तेमाल होता है। नतीजतन इसका मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर दुष्प्रभाव भी पड़ता है। ई-कचरा एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहा है। बता दें पारा, कैडमियम, सीसा, बेरियम, लिथियम आदि ई-कचरे के जहरीले अवशेष मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक हैं।

दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल समस्या भी मुख्य है। दुनिया में हर साल 4 से 6 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर भारत प्रतिवर्ष करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा कर रहा है। ई-वेस्ट के निपटारे में भारत काफी पीछे है, जहां केवल 0.003 मीट्रिक टन का निपटारा ही किया जाता है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया के हर व्यक्ति ने साल 2021 में 7.4 किलो ई-वेस्ट का ढेर इकट्ठा हुआ है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ मोबाइल ई-वेस्ट हो रहें हैं।

ई कचरे के बढ़ने की बड़ी वजह, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बढ़ती खपत

आज हम जिन इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों उपयोग कर रहे हैं उनका जीवन काल बहुत छोटा होता है। इस वजह से इन्हें जल्द फेंक दिया जाता है। इसके अलावा जैसे ही कोई नई टेक्नोलॉजी आती है, पुराने को फेंक या बेच दिया जाता है। इसके साथ ही कई देशों में इन उत्पादों की मरम्मत और रिसायक्लिंग की भी सीमित व्यवस्था है, या फिर बहुत महंगी है। ऐसे में जैसे ही कोई उत्पाद खराब होता है तो लोग उसे ठीक कराने की जगह बदलना ज्यादा पसंद करते हैं। साल 2021 में डेफ्ट यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलाजी द्वारा किए गए सर्वेक्षण में फोन बदलने का सबसे बड़ा कारण साफ्टवेयर का धीमा होना और बैटरी में गिरावट रहा है। हालांकि दूसरा बड़ा कारण, नये फोन के प्रति आकर्षण भी था। शायद इसी वजह से भी ई-कचरे में वृद्धि हो रही है। एक आंकड़े के अनुसार अगर साल 2019 में उत्पादित कुल इलेक्ट्रॉनिक कचरे को रिसायकल कर लिया गया होता तो वो करीब 425,833 करोड़ रुपए का लाभ होता । यह आंकड़ा दुनिया के कई देशों के जीडीपी से भी ज्यादा है।

यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी की ओर से जारी %ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर 2020 रिपोर्ट के अनुसार साल 2019 में दुनिया में 5.35 करोड़ मीट्रिक टन ई-कचरा पैदा हुआ था। अनुमान है कि, साल 2030 तक इस वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक कचरे में तकरीबन 40 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाएगी। ऐसे में आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं, कि यह समस्या कितनी बड़ी है।

बात अगर दिल्ली की करें तो यहां हर साल 2 लाख टन ई-कचरा पैदा होता है। हालांकि, इसे वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से प्रबन्ध नहीं किया जा रहा है। नतीजतन इससे आग लगने जैसी कई जानलेवा घटनाएं भी हो चुकी हैं, जो दिल्ली के निवासियों और कूड़ा उठाने वालों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसी क्रम में अभी हाल ही में दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि, दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको पार्क खोला जायेगा। दरअसल 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी जैसे अनूठी एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा। इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल भी सामने आया है। जयपुर के एक कलाकार ने तो ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी ही अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है ।

कैसे करें फोन का अधिकतम उपयोग

अगर आप फोन काम करने की ठीक स्थिति में है, तो बैटरी बदलने जैसे उपायों को अपनाकर उसे लंबे समय तक चला सकते हैं। दरअसल हर तीन साल पर फोन की बैटरी जांचने या बदलने के लिए रिपेयर शाप पर जरूर जाएं।

आमतौर पर तीन साल के बाद कुछ घंटों में ही फोन स्विच आफ होने लगता है, नतीजतन लोग यह मान बैठते हैं कि फोन खराब हो गया। इसके अलावा फोन की जांच के लिए आप सालाना कैलेंडर बना सकते हैं, जिसमें आप उन फोटो और एप को हटा सकते हैं, जिनकी अब जरूरत नहीं है। अगर डिजिटल स्टोरेज स्पेस को खाली करते रहें तो इससे फोन की बैकअप स्पीड बढ़ सकती है। इसके अलावा फोन के नये माडलों पर आंख बंद कर आकर्षित न हों। इसी तरह की आदतें, हमारी मेंटीनेंस कराने की आदतें खत्म करती हैं।

अगर दो-दो वर्ष के अंतराल पर बैटरी बदलकर फोन छह साल तक चलाते हैं, तो आप फोन बदलने में होने वाले बड़े खर्च को बचा सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट का जिक्र किया था। उन्होंने लोगों से कहा था कि पर्यावरण को बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक कचरे का प्रभावी प्रबंधन करना होगा।

भारत में साल 2011 से ही इलेक्ट्रॉनिक कचरे के प्रबंधन से जुड़ा नियम लागू है। हालांकि बाद में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा ई-कचरा (प्रबंधन) नियम, 2016 लागू किया गया था । इस नियम के तहत पहली बार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माताओं को विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी के दायरे में लाया गया। नियम के अंतर्गत उत्पादकों को ई-कचरे के संग्रहण तथा आदान-प्रदान के लिये उत्तरदायी बनाया गया है। इसके साथ ही उल्लंघन की स्थिति में दंड का प्रावधान भी किया गया है। अगर आप चाहते हैं कि ई-वेस्ट को कम किया जाए, तो इसके लिए जरूरी है कि चीजों की रिसाइक्लिंग की जाए तो किसी पुराने मोबाइल या कंप्यूटर आदि को रिसाइकल किया जाए और इनका फिर से इस्तेमाल हो। दरअसल कई लोग या कंपनियां अपने पुराने लैपटॉप, कंप्यूटर या मोबाइल को वेस्ट कर देते हैं, जो ई-वेस्ट के रूप में सामने आते हैं।

भारत सरकार ई-कचरे के निपटारे के लिए प्रबंधन नीति लाई थी ।लेकिन वह कारगर नहीं साबित हुई और अब रिसाइकल इंसेंटिव के साथ नई नीति ला रही है। ताकि ई-निर्माण इकाइयां ई-वेस्ट का रिसाइकल करने और पर्यावरण बचाव के प्रति जवाबदेह हो सकें। सरकार ने ई- कचरा (प्रबंधन) नियम-2022 अधिसूचित किया है, जो प्रत्येक विनिर्माता, उत्पादक, रिफर्बिसर, डिस्मैटलर और ई-वेस्टरिसाइकलर पर लागू होगा। ई-वेस्ट अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट को लेकर केंद्र सरकार सख्त है और इसे लेकर केंद्र सरकार ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशा निर्देशों के अनुसार अब जो भी ई-वेस्ट पैदा करेगा उन्हें उसे नष्ट करने की जिम्मेदारी भी उसी को उठानी होगी। नए नियमों के तहत इस जिम्मेदारी को न उठाने वालों से सख्ती से निपटा भी जाएंगा ।जिसमें उन्हें जुर्माना और जेल दोनों ही भुगतना करना पड़ सकता है।

शार्ट न्यूज

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में सोमवार को अलग अलग स्थानों पर वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के नैढी कोठारी गांव के पास आज सुबह ट्रक की चपेट में आ जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि डामडंगंज थाना क्षेत्र के वाणीपुर निवासी श्रीकांत दुबे (53) पुत्र अमरनाथ दुबे सुबह लगभग आठ बजे मोटरसाइकिल से नैढी कठारी गांव जा रहे थे। तभी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पास में खड़े ट्रक के पीछे से टकरा गए जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरी घटना अहरौरा थाना क्षेत्र के खागापुर पेट्रोल पंप के पास की है। पुलिस के अनुसार मीरापुर गांव निवासी विकास (30) पुत्र रामनारायण जो एक खदान पर काम करता था। बीती रात लगभग बारह बजे खदान पर जा रहा था। पेट्रोल पंप के पास एक ट्रक ने उसे कुचल दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वाहन चालक फरार हो गया है। वाहन को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

बुलंदशहर में सड़क हादसे में दो छात्रों की मौत

बुलंदशहर । उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के स्याना क्षेत्र मे सोमवार सुबह केंटर और बाइक की भिड़ंत में दो स्कूली छात्रों की मौत हो गयी। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने सीयनगढ़ मार्ग पर जाम लगा दिया जिसे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने समझा बुझा कर समाप्त कराया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि कस्बा स्याना के ग्राम नयाबास निवासी कक्षा नौ के छात्र आरजू एवं गौरव कुमार आज सुबह करीब साढ़े सात बजे कस्बा स्याना के गढ़ स्टैंड से बाइक द्वारा स्कूल जा रहे थे कि स्याना गढ़ मार्ग पर सामने से तेज रफ्तार आ रहे केंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में घायल छात्रों को ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों मृतक छात्रों की आयु 15-15 वर्ष की थी। घटना की सूचना पर ग्रामीणों ने स्याना गढ़ मार्ग पर जाम लगा दिया। जिला अधिकारी सियाणा ने बताया कि मृतकों के परिजन के लिए प्रशासन आर्थिक मदद का हर संभव प्रयास करेगा।

शराब के ठेके के पास मिला अधेड़ का शव

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में सोमवार सुबह शराब के ठेके के पास संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ का शव मिला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के चौरी थाना क्षेत्र के जोगीपुर स्थित शराब के ठेके के पास आज सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली थी। शराब के ठेके के पास शव मिलने की सूचना फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ में से किसी व्यक्ति ने मृतक की पहचान मुन्ना धीवर (54) के रूप में की। जो कन्तापुर, थाना चौरी, जनपद भदोही का निवासी है। मौत की सूचना पर परिजन भी वहां पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उक्त व्यक्ति को जोगीपुर ठेके के पास रविवार की देर शाम शराब के नशे में इधर-उधर घूमते हुए देखा गया था। नशे में ही वह सड़क की पटरी के किनारे जमा बारिश के पानी में फिसल कर गिर गया होगा। उसका सिर गड्ढे के पानी में तथा पूरा धड़ बाहर था। आशंका जताई गई सिर पानी में डूबने के कारण दम घुटने से उसकी मौत हुई होगी। चौरी थानाध्यक्ष अविनाश प्रकाश राय ने बताया कि उक्त व्यक्ति रात में शराब पीकर इधर-उधर भटक रहा था।

90 साल की महिला की हत्या का खुलासा

लखनऊ। लखनऊ में 90 साल की बुजुर्ग स्नेहलता उर्फ शैल कुमारी की पोते ने ही चापड़ से गला रेतकर हत्या की थी। वारदात के बाद पोता शहर छोड़कर भागने की तैयारी कर रहा था लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वारदात अलीगंज के योगीनगर में रविवार रात हुई। मृतका आगरा विधि विज्ञान प्रयोगशाला से रिटायर उप-निदेशक मुकेश चंद्र शर्मा की मां थी। स्नेहलता का शव घर के आंगन में खून से लथपथ पड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या के बाद घर से गायब पोते को पकड़ा है। वह रात में नशे में घूम रहा था। पुलिस के मुताबिक, घर में महिला अकेले रहती थी। बेटा और बहू जानकीपुरम में अलग रहते हैं। महिला से जुड़े लोगों के विषय में जानकारी जुटाने के साथ आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। स्नेहलता का बड़ा बेटा रमेश लंदन में, दूसरे नंबर का बेटा महेश सिंधौली सीतापुर, तीसरे नंबर के मुकेश चंद्र शर्मा जानकीपुरम और चौथे नंबर के आलोक रुदौली में रहते हैं।

मेरठ में प्रिंटिंग प्लांट में लगी आग

मेरठ। मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र में सरस्वती इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक प्रिंटिंग प्लांट में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि प्लांट में प्लास्टिक और केमिकल होने के चलते ब्लास्ट होने लगे। जिसके चलते आसपास अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर करीब एक दर्जन से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र के रहने वाले नरेश रस्तोगी की परतापुर थाना क्षेत्र के सरस्वती इंडस्ट्रियल एरिया में सिटी ऑफ सेट प्रिंटिंग प्रेस है। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 3:00 बजे प्रिंटिंग प्रेस में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस दौरान फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। फैक्ट्री के मालिक व आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी। जानकारी मिलने पर करीब एक दर्जन से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई। आग दूसरी मंजिल से लेकर तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। आग इतनी विकराल थी कि प्लांट में मौजूद करोड़ों के माल के जलने की आशंका जताई जा रही है।

आजमगढ़ में फर्जी मजिस्ट्रेट गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले की पुलिस ने ठगी करने वाले फर्जी मजिस्ट्रेट को गिरफ्तार किया है। इस मामले में सिधारी थाना क्षेत्र के रहने वाले कासिफ ने पुलिस से शिकायत दर्ज कराई की जियाउल इस्लाम सिद्दीकी ने जाहिद उर्फ गोलू से नौकरी दिलाने के नाम पर छल, कपट कर धोखाधड़ी करते हुए 14 लाख की ठगी की। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी। इसी क्रम में आरोपी की गिरफ्तारी की गई। मामले की विवेचना कर रहे सब इंस्पेक्टर धनराज सिंह ने बताया कि अभियुक्त जियाउल इस्लाम सिद्दीकी लहरपुर जनपद सीतापुर वर्ष 2001 से 2015 तक संविदा पर सचिवालय में नौकरी करता था। वर्ष 2015 में छंटनी के तहत आरोपी को सेवा से हटा दिया गया। उसके बाद से उसी का लाभ उठाकर फर्जी परिचय पत्र मजिस्ट्रेट के नाम से लखनऊ सचिवालय से बनाकर और गाड़ी में मजिस्ट्रेट का फर्जी बोर्ड बनाकर चलने लगा। इसके साथ ही नौकरी दिलाने के नाम पर परिचय पत्र दिखाकर लोगों से पैसा लेने लगा। आरोपी के कब्जे से 95 हजार नकद, सचिवालय के दो परिचय पत्र, एक कूट रचित आधार कार्ड, तीन फर्जी नंबर प्लेट और गाड़ी बरामद किया गया है।

हमीरपुर में अनियंत्रित कंटेनर ने बाइक सवारों को मारी टक्कर: हादसे में एक छात्रा की मौत

हमीरपुर। हमीरपुर में नेशनल हाईवे 34 पर आज फिर एक अनियंत्रित कंटेनर ने बाइक सवार दो छात्राओं सहित टीचर को टक्कर मारी है। इस हादसे में एक छात्रा की मौके पर मौत हो गई है, जबकि दूसरी छात्रा और टीचर घायल हैं जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे को अंजाम देने वाला चालक कंटेनर छोड़ कर फरार हो गया है। हादसे की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे हुए हैं। यह हादसा सुमेरपुर थाना क्षेत्र में फैक्ट्री एरिया के पास नेशनल हाईवे 34 पर हुआ है। यहां महोबा की तरफ से आ रहे एक अनियंत्रित कंटेनर ने बाइक सवारों को टक्कर मारी है। इस हादसे में एक बच्ची की मौके पर मौत हो गई है, जबकि एक बच्ची वा टीचर गंभीर घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही सुमेरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची हुई थी, जिसने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। इस हादसे को अंजाम देकर ड्राइवर कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा को मैदान में एंटी रोमियो स्क्वायड की 1678 टोलियां

सीएम योगी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में समय-समय पर शोहदों के खिलाफ चलाया जा रहा विशेष अभियान

लखनऊ। यूपी की बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर दृढ़ संकल्पित योगी सरकार की एंटी रोमियो स्क्वायड शोहदों पर कहर बनकर टूट रही है। प्रदेश में शोहदों और मनचलों पर नकेल कसने के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। 6 माह के अभियान में 1678 एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा एक्शन लिया गया, इसमें 3324 पुरुष और 4090 महिला पुलिसकर्मी शामिल थीं। स्क्वायड ने शोहदों की पहचान के लिए प्रदेश के 30,76,246 स्थानों की चेकिंग की। इनमें स्कूल, सार्वजनिक स्थलों जैसे चौराहे, बाजार, मॉल्स, पार्क एवं अन्य स्थान शामिल हैं। इन स्थानों पर कुल 1,34,33,261

व्यक्तियों की चेकिंग की गयी। इस दौरान 7563 मुकदमे दर्ज किए गए, जबकि 9512 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं 48,92,991 व्यक्तियों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। एंटी रोमियो स्क्वायड ने पूरे प्रदेश में जोन और कमिश्नरेट स्तर पर कार्रवाई की।

सबसे ज्यादा आगरा जोन के मनचलों पर चला स्क्वायड का चाबुक

डीजीपी विजय कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश में बेटियों और महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा शोहदों-मनचलों के खिलाफ कार्रवाई के लिए समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। इस क्रम में प्रदेश भर में स्क्वायड की ओर से 6 माह में विशेष अभियान चलाया गया। ऐसे में जोन स्तर पर कार्रवाई के लिए 8 जोन में 1413 एंटी रोमियो स्क्वायड को एक्टिव किया गया, जिसमें 2977 पुरुष पुलिसकर्मी और 3499 महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। स्क्वायड ने शोहदों की पहचान के लिए प्रदेश के 25,40,012 स्थानों पर चेकिंग की। इनमें स्कूल, सार्वजनिक स्थलों जैसे चौराहे, बाजार, मॉल्स, पार्क एवं अन्य स्थान शामिल हैं। इन स्थानों पर कुल 97,75,616 व्यक्तियों की चेकिंग की गयी। इस दौरान 7097 मुकदमे दर्ज किए गए, जबकि 8951 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं 44,31,216 व्यक्तियों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। एंटी रोमियो स्क्वायड ने सबसे अधिक कार्रवाई आगरा जोन में की, जहां 474493 स्थानों की चेकिंग करते हुए 12,73,120 व्यक्तियों की चेकिंग की गयी।

पीलीभीत में जंगली हाथियों ने ली किसान की जान

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश में पीलीभीत जिले के सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र में खेत की रखवाली करने गए बुजुर्ग किसान पर जंगली हाथियों के झुंड ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गयी। सोमवार सुबह खेत पहुंचे परिजनों को किसान का शव पड़ा मिला।

पुलिस क्षेत्राधिकारी पूरनपुर आलोक सिंह ने पत्रकारों को बताया कि हाथी के हमले मे बुजुर्ग किसान की मौत हुई है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पिछले दिनों नेपाल से घुस आये हाथियों का झुण्ड क्षेत्र मे तबाही मचाये हुए है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग कों इसकी सूचना कई बार दी जा चुकी है मगर वह हथियों पर आज तक अंकुश नही लगा पाया है।

सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के चलतुआ गांव निवासी किसान गोपी (60) खेत पर बनी झोपड़ी में फसल की रखवाली करने के लिए प्रतिदिन की भांति रविवार रात खाना खाने के बाद खेत पर चले गए। रात के अंधेरे में जंगली हाथियों के झुंड ने किसान पर हमला बोल दिया। किसान की हाथियों के हमले में मौत हो गयी।

पुलिस ने परिजनों के हवाले से बताया कि बुजुर्ग किसान गोपी ने खेत पर निगरानी के लिए जो झोपड़ी बनाई थी।

जंगली हाथियों ने उसे भी तहस नहस कर दिया और आस पास की फसलों को भी बड़ी मात्रा मे नुकसान पहुंचाया। सोमवार सुबह जब बुजुर्ग गोपी घर नहीं पहुंचे तो परिजन उनकी तलाश में खेत पर गए। पूरे मामले की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची।

राजस्थान में चुनाव के मद्देनजर सीमा पर चौकसी

लखनऊ। राजस्थान में विधान सभा चुनाव में कानून व्यवस्था के मद्देनजर सीमावर्ती क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हुयी बैठक मे मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि राजस्थान में विधान सभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में उत्तर प्रदेश हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से सीमाओं पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। उन्होने सीमावर्ती जिलों में ऐसी कोई भी गतिविधि नहीं होनी चाहिए जिससे पड़ोसी राज्यों के आम चुनाव प्रभावित हो। सीमाओं पर चेकिंग प्वाइंट्स स्थापित किए जाएं और सभी चेकिंग प्वाइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं। उन्होंने कहा कि बार्डर के आस-पास नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए और पेट्रोलिंग की जाए जिससे किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियां न हो सके। सीमाओं पर पुलिस की सक्रियता को बढ़ाया जाए जिससे अपराधियों के मूवमेंट को रोका जा सके। हिस्ट्रीशीटर व जमानत पर चल रहे अपराधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए। बैठक में पुलिस महानिदेशक विजय कुमार, प्रमुख सचिव आबकारी बीना कुमारी, विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार तथा राजस्थान की ओर से मुख्य सचिव ऊषा शर्मा व पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा उपस्थित थे।

मथुरा में मां-बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

दिव्यांग बेटे का शव पानी की टंकी में, मां की फांसी के फंदे पर लटकी मिली लाश

मथुरा। मथुरा के थाना कोसीकलां क्षेत्र में मां-बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। बेटे का शव लहूलुहान हालत में पानी की टंकी में मिला, जबकि मां का शव कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। मां बेटे की मौत की सूचना मिलते ही एसएसपी सहित पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

मां-बेटे के शव मिलने का मामला बठैन गांव का है। सोमवार को थाना कोसी प्रभारी अनुज कुमार को सूचना मिली कि बठैन गांव में मां-बेटे के शव घर में पड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां 14 साल के दिव्यांग बेटे का शव लहूलुहान हालत में पड़ा था और मां का शव

फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

बठैन गांव का रहने वाले पूरन की ससुराल पास के ही गांव दहगांव में है। रविवार की रात को पूरन किसी काम से ससुराल चला गया। जबकि घर पर उसकी पत्नी ओमवती और दिव्यांग बेटा पवन मौजूद थे। सोमवार की सुबह पूरन को सूचना मिली कि उसकी पत्नी का शव कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ है।

सूचना मिलते ही पूरन अपने साले के साथ गांव बठैन पहुंच गया। जहां उसकी 42 वर्षीय पत्नी ओमवती का शव एक कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

इसके बाद पूरन ने बेटे की तलाश की काफी देर बाद घर के अंदर रखी पानी की टंकी को जब खोलकर देखा तो उसमें लहूलुहान हालत में बेटे का शव पड़ा था।

पत्नी पर जताया बेटे की हत्या का शक

वारदात के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पूरन ने पुलिस को बताया, संभवत: ओमवती ने पहले बेटे पवन को लाठियों से पीटकर मौत के घाट उतार दिया और फिर शव को पानी की टंकी में डालकर छुपाने की कोशिश की। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली होगी। पूरन ने बताया, उसकी पत्नी मानसिक बीमार थी।

फोरेंसिक टीम पहुंची मौके पर

वारदात की जानकारी मिलते ही एसएसपी शैलेश पांडे, एसपी देहात त्रिगुन विशेन, सीओ छाता गौरव त्रिपाठी, कोसी थाना प्रभारी अनुज कुमार मौके पर पहुंच गए। वारदात स्थल का जायजा लेने के बाद एसएसपी ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुला लिया। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

कौशांबी के औरैनी में शव दफनाने से रोकने पर धरना

बंजर भूमि पर शव दफनाना चाह रहा था मृतक पक्ष, दूसरे पक्ष ने रोका, पुलिस व राजस्व टीम के सामने हुआ शव दफन

कौशांबी। कडा धाम थाना क्षेत्र के एक गाव मे मृतक का शव दफनाने को लेकर 2 पक्ष आमने सामने आ गए। पहला पक्ष जमीन को बंजर बता कर शव दफनाने पर अड़ा है जबकि दूसरा पक्ष भूमि को अपना बता रहा है। विवाद की स्थिति को काबू मे करने के लिए थाना पुलिस समेत राजस्व के अधिकारी मौके पर पहुचे है। राजस्व अधिकारियों के मुताबिक भूमि की पैमाइस कराकर शव का अंतिम संस्कार कराया जाएगा।

कडा धाम के औरनी गाव मे सरवन यादव (50) की मौत बीमारी के चलते रविवार की रात हो गई थी। सरवन के परिजन शव के अंतिम संस्कार के लिए

गाव के एक भूमि पर दफनाने की प्रक्रिया कर रहे थे। गड्ढा खोदे जाने के बाद परिजन जब शव लेकर मौके पर पहुचे। इस दौरान गाव के अवधेश मौर्य पक्ष ने जमीन को अपनी जमीन बता कर शव को दफन करने से मृतक परिवार को रोक दिया। कहासुनी के बाद मृतक पक्ष शव का दफना पाने के चलते मौके पर लाश समेत धरने पर बैठ गया। विवाद के स्थिति बढ़ने की सूचना थाना पुलिस को मिली। मौके पर थाना प्रभारी भरी पुलिस बल के साथ पहुचे।

नायाब तहसीलदार सहित लेखपाल व कानूनगो मौके पर पहुंचे

मृतक पक्ष शव को निर्धारित स्थल को बंजर भूमि बता कर अंतिम संस्कार के लिए अड़ा था। जबकि विपक्षी अवधेश मौर्य विरोध मे खड़ा था। पुलिस ने विवाद को निपटाने के लिए सिराथू तहसील के अफसरो से संपर्क किया। एसडीएम के आदेश के बाद नायाब तहसीलदार सहित लेखपाल व कानूनगो को लेकर मौके पर पहुचे।

भूमि की पैमाइस कर विवादित जमीन को बंजर करार दिया

विवादित भूमि की पैमाइस कर विवादित जमीन को बंजर करार दिया है। जिसके बाद मृतक पक्ष ने पुलिस की मौजूदगी मे सरवन यादव के शव का अंतिम संस्कार किया। अवधेश पक्ष के मुताबिक विवादित भूमि से सटी उसकी भूमि थी। उसे लगा कि मृतक पक्ष उसकी जमीन पर शव दफना रहा है। नाप के बाद उन्हें अब कोई आपत्ति नहीं है।

पति की हत्या मामले में प्रेमी संग पत्नी गिरफ्तार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के जुगैल क्षेत्र में पुलिस ने लापता व्यक्ति की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पत्नी ने प्रेम संबंधों में बाधक बन रहे पति की हत्या प्रेमी की मदद से की थी और शव को आठ किमी दूर जंगल में फेंक दिया था।

पुलिस अधीक्षक डा यशवीर सिंह ने बताया कि 13 अक्टूबर को रामसनेही खरवार ने अपने पुत्र प्रेम मोहन खरवार उर्फ डॉक्टर की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी और हत्या का शक उसकी पत्नी व प्रेमी पर जाहिर किया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने हत्या व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और सुबह चौरा गांव के पास से आरोपी शमसाद अली (24) और मृतक की पत्नी बिन्दु खरवार (30) को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में शमसाद व बिन्दु ने स्वीकार किया कि उनके बीच अवैध संबंध है जिसमे प्रेम मोहन बाधक बन रहा था। इसलिए दोनो ने योजना बनाकर आठ और नौ अक्टूबर की रात प्रेम की सोते समय कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी थी और उसके शव को घर से करीब आठ किमी दूर जंगल में फेक दिया था। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर दोनो को जेल भेज दिया है।

तमंचे की नोक पर टीचरों का अपहरण, पुलिस ने छुड़ाया

झांसी। झांसी से बड़ी खबर सामने आई है। सोमवार सुबह मध्य प्रदेश के पृथ्वीपुर के पास से बदमाशों ने तमंचे की नोक पर दो टीचरों का अपहरण कर लिया। वे दोनों को झांसी के जंगल में लेकर पहुंच गए। इस बीच पुलिस को खबर लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तो आरोपी दोनों टीचरों को छोड़कर भाग गए। दोनों शिक्षकों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। सूचना पर मध्य प्रदेश पुलिस मौके पर पहुंच गई। अब नाकेबंदी करके बदमाशों की तलाश की जा रही है। झांसी के सरकार थाना क्षेत्र के सिजारा निवासी आशीष वर्धन चतुर्वेदी और निवाड़ी निवासी संदीप कुमार रिछारिया ललितपुर के पूराकलां स्थित प्राथमिक विद्यालय में टीचर हैं। दोनों सोमवार सुबह करीब 7 बजे बाइक से विद्यालय के लिए निकले थे।

दोनों पृथ्वीपुर से पूरा कला के लिए शॉर्टकट रास्ते पर जा रहे थे। जैसे ही वह दोनों अछरू माता मंदिर तिराहा से आगे पहुंचे एक लाल रंग की कार पर सवार 5 बदमाशों ने उनकी बाइक के आगे अपनी कार लगा दी।

इस बात को लेकर कार चालक से शिक्षकों का विवाद होने लगा। कार में सवार बदमाशों ने तमंचे की नोंक पर दोनों शिक्षकों को कार के भीतर घसीट लिया और टहरौली की ओर लेकर भाग निकले।

नाबालिग छात्रा से रेप में 20 साल की कैद

मुरादाबाद। नाबालिग छात्रा से रेप के मामले में कोर्ट ने एक शिक्षक को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। घटना 8 साल पहले मुरादाबाद के बिलारी कस्बे की है। आरोपी शिक्षक छात्रा को ट्यूशन पढ़ाता था। वह उसे बहला फुसलाकर साथ ले गया था। घटना 27 जून 2015 की है। बिलारी कोतवाली में पीड़िता की मां ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि उसकी 16 साल 10 माह की बेटी पड़ोस में शिक्षक अमरीश के घर पर ट्यूशन पढ़ने जाती थी। 27 जून 2015 को अमरीश उनकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। परिजनों ने पहले अपनी बेटी को खोजा और नहीं मिलने पर एक जुलाई 2015 को बिलारी कोतवाली में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

हापुड़ में सड़क हादसे में 2 महिलाओं की मौत

पिता समेत 2 बच्चे घायल, बाइक से पत्नी-बच्चों और चाची को लेकर ससुराल जा रहा था

हापुड़। हापुड़ में दो बाइकों में टक्कर हो गई। जिससे बाइक सवार सभी सड़क पर गिरकर घायल हो गए।। इसके बाद कार ने सड़क पर गिरी दो महिलाओं को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार सभी लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराई। उपचार के दौरान दोनों महिलाओं की मौत हो गई। जबकि दो बच्चे और उनके पिता घायल हो गए। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला कोतवाली बाबूगढ़ इलाके के कुचेसर रोड चौपला का है। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के गांव सादुल्लापुर लोधी निवासी भूरे की ससुराल कुचेसर चौपला में है। सोमवार को भूरे अपनी पत्नी गीता, दो बच्चे आस्था और युवराज, चाची कमलेश के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर कुचेसर चौपला आ रहा था। जब वह कुचेसर रोड चौपला पर रॉन्ग साइड अपने गंतव्य के लिए पहुंचा तो अचानक सामने से आ रही एक बाइक से उसकी बाइक टकरा गई। इस हादसे के बाद परिवार के लोग सड़क पर गिरकर जख्मी हो गई। इससे पहले कि परिवार के लोग कुछ समझ पाते, तब तक एक कार ने गीता और कमलेश को बुरी तरह से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना मिलने के बाद काफी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। जिन्होंने घायलों को पुलिस की मदद से नगर के देव नंदिनी अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि दोनों बच्चे और उनके पिता को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया

थाना प्रभारी सुनीता मलिक ने बताया कि रॉन्ग साइड होने के चलते दो बाइक आपस में टकरा गई थी। जिसके बाद दोनों महिलाओं को एक अन्य कार ने कुचल दिया। तहरीर आने पर मामला दर्ज किया जायेगा। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गाजीपुर में 1.10 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद

1.117 किलो मादक पदार्थ के साथ राजस्थान के दो तस्करों समेत चार गिरफ्तार, एक भागने में कामयाब

गाजीपुर। गाजीपुर के रामपुर माझा थाने की पुलिस ने 1 किलो 117 ग्राम हेरोइन के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में दो राजस्थान के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से एक सफारी वाहन भी बरामद किया है। रामपुर माझा पुलिस के द्वारा इन दिनों अपराधियों की धर पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी

क्रम में थाना रामपुर माझा पुलिस और स्वाट टीम को मुखबिर की सूचना पर हेरोइन बेचने के लिए जा रहे चार अभियुक्त राजेश यादव, अंकित सिंह, मनोहर लाल निवासी राजस्थान और दुर्गा लाल निवासी राजस्थान को एक सफारी गाड़ी के साथ गिरफ्तार किया। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर एक अभियुक्त सुभाष यादव भागने में सफल रहा।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के मलिकशाहपुर रेलवे अंडर पास से मुखबिर की सूचना पर चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

बाराबंकी में जमीन के लिए डबल मर्डर

बाराबंकी में डबल मर्डर हुआ है। यहां बरामदे की जमीन को लेकर दो भाइयों में झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों के आमने-सामने आए गए। फिर दोनों भाइयों ने लाठी से एक दूसरे का सिर फोड़ दिया। इसके बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। इसके बाद दोनों के घरवाले शवों का अंतिम संस्कार न करने को लेकर अड़ गए। विवाद की सूचना पर स्थरूकई थानों की फोर्स सहित मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया है। तब जाकर दोनों का अंतिम संस्कार हुआ। पूरा मामला कोठी थाना क्षेत्र के धौरहरा ग्राम पंचायत का है। यहां के राधेलाल उर्फ दुर्गा प्रसाद और बुद्धू के परिवार से घर के सामने बरामदे की जमीन को लेकर बीते 9 अक्टूबर को विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों के परिवारों में जमकर मारपीट हुई। इस मारपीट में बुद्धू और दुर्गा प्रसाद और उनके दो भतीजे को चोटें आई। जिसमें बुद्धू और दुर्गा प्रसाद की हालत गंभीर थी। जिनको इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

शार्ट न्यूज

होण्डा मोटरसाइकिल ने लॉन्च की 2023 सीबी300आर, बुकिंग शुरू

नयी दिल्ली। होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज ओबीडी2ए कम्प्लायन्ट 2023 सीबी300आर का लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 2.40 लाख रुपये है। कंपनी ने आज यहां कहा कि राइड के अनुभव को रोमांचक बनाने के लिए अल्टीमेट नियो स्पोर्ट्स कैफे रोडस्टर के रूप में तैयार की गई यह मोटरसाइकिल चलाने में मज़ेदार है और राइड का आनंददायी अनुभव प्रदान करती है। उपभोक्ता अपने नज़दीकी बिगविंग डीलरशिप्स पर 2023 होण्डा सीबी300आर के लिए बुकिंग कर सकते हैं। आइकोनिक रेट्रो-थीम पर आधारित सीबी1000आर लीटर-क्लास रोडस्टर के डिज़ाइन से प्रेरित 2023 सीबी300आर होण्डा की अल्ट्रा मॉडर्न मिनिमलिस्टिक मशीन है जो टाइमलैस रोडस्टर डिज़ाइन के साथ आती है। इसका मस्कुलर फ्यूल टैंक और बीफी एक्ज़हॉस्ट नियोस्पोर्ट्स कैफे डीएनए पर आधारित है। इसके अलावा ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम (राउण्ड एलईडी हैडलैम्प, एलईडी विंकर्स और एलईडी टेल लैम्प) इसके स्टाइल क्रशंट को कई गुना बढ़ा देते हैं। इसमें 286.01 सीसी, 4 स्ट्रोक, सिंगल-सिलिंडर इंजन है जो अब पहले की तुलना में पर्यावरण के अधिक अनुकूल है।

ह्यूंडई मोटर ने की ड्राइव4प्रोग्रेस पहल की घोषणा

नयी दिल्ली। ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की परोपकारी कार्य करने वाली इकाई ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन ने आज ड्राइवर स्किल डेवलपमेंट इनीशिएटिव 'ड्राइव4प्रोग्रेस' का एलान किया। इसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देना और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना है। प्रोजेक्ट के तहत हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में अगले 3 साल में महिलाओं समेत 1,500 से ज्यादा युवाओं को कवर किया जाएगा। हरियाणा स्टेट सीएसआर ट्रस्ट के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह ने लाभार्थी छात्रों को ट्रेनिंग किट उपलब्ध कराते हुए इस प्रोग्राम का उदघाटन किया। गैर सरकारी संगठन नवज्योति ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स एंड करियर्स सोसायटी इस प्रोग्राम के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेगी। नवज्योति के साथ एचएमआईएफ के गठजोड़ के तहत इस प्रोग्राम के माध्यम से गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) समुदाय के प्रशिक्षित ड्राइवरों का एक टैलेंट पूल बनाया जाएगा और उन्हें ट्रांसपोर्टेशन इंडस्ट्री में रोजगार पाने के योग्य बनने के लिए अन्य जरूरी साधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। सिंह ने कहा कि यह प्रोग्राम देश में स्किल गैप को कम करने के सरकार के लक्ष्य का ही हिस्सा है।

जियो सिनेमा को पहला एंजेल इन्वेस्टमेंट शो

नयी दिल्ली। डिजिकोर स्टूडियोज ने दुनिया का पहला एंजेल इन्वेस्टमेंट शो 'इंडियन एंजल्स' लॉन्च करने की घोषणा की है, जिसकी स्ट्रीमिंग ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर होगी। कंपनी ने आज यहां यह घोषणा करते हुये कहा कि इंडियन एंजल्स न केवल एंजल निवेशकों को उभरते स्टार्टअप का समर्थन करने का अवसर प्रदान करेगा बल्कि दर्शकों को खुद निवेशक बनने का आमंत्रण भी देगा। इस शो में एंजल निवेशकों का एक पैनल है, जिनमें से प्रत्येक ने मामूली शुरुआत करते हुए जबरदस्त सफलता हासिल की है। इसमें इंश्योरेंसदेखो के फाउंडरऔर सीईओ अंकित अग्रवाल; टीएसी - द आर्युवेद कंपनी की सीईओ और सह संस्थापक श्रद्धा सिंह, वैल्यू 360 के संस्थापक और निदेशक कुणाल किशोर, काइनेटिक इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अजिंक्य फिरोदिया, ईज माय ट्रिप के को-फाउंडर ऋक्रान्त पिट्टी और शोबिटम की सह-संस्थापक और चीफ प्रॉडक्ट ऑफिसर अपर्णा त्यागराजन शामिल हैं। डिजिकोर स्टूडियोज के संस्थापक एवं सीईओ अभिषेक मोरे ने कहा, डिजीकोर स्टूडियोज में, हमें इस अग्रणी उद्यम का हिस्सा होने पर गर्व है। 'इंडियन एंजल्स' नए तकनीकी प्रयोग के निष्कर्ष और ओटीटी प्लेटफार्मों की असीमित संभावनाओं का प्रतीक है।

सरकार ने विमानन नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली । सरकार ने विमानन क्षेत्र में कारोबार सुगमता को और बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत नियमों में संशोधन किया है इसके अनुसार वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस अब 10 साल के लिए वैध होंगे। अभी तक कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) की वैधता पांच साल के लिए होती थी और उस अवधि के पूरा होने के बाद इसे रिन्यू कराना होता था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान नियम, 1937 में संशोधन किया। विमानन नियमों में किए गए विभिन्न परिवर्तनों के अनुसार एयरलाइन ट्रांसपोर्ट पायलट लाइसेंस (एटीपीएल) और सीपीएल धारकों के लाइसेंस की वैधता पांच साल से बढ़ाकर दस साल कर दी गई है। नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, इस बदलाव से पायलटों और डीजीसीए जैसे विमानन प्राधिकरणों पर प्रशासनिक बोझ कम होने की उम्मीद है, जिससे अधिक सुव्यवस्थित और कुशल लाइसेंसिंग प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, हवाई अड्डे के आसपास रोशनी के प्रदर्शन से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए नियमों में संशोधन किया गया है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रकाश शब्द में लालटेन रोशनी, विश काइट्स और लेजर लाइट शामिल हैं। इसके अलावा, ऐसी रोशनी का प्रदर्शन करने वालों पर सरकार के अधिकार क्षेत्र को एक एयरोड्रम के आसपास 5 किलोमीटर से 5 समुद्री मील तक बढ़ा दिया गया है।

जमानत देने के खिलाफ सीबीआई की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने चंदा कोचर से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके कारोबारी पति दीपक कोचर को ऋण धोखाधड़ी मामले में बंबई उच्च न्यायालय से मिली अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सोमवार को उनसे जवाब मांगा।न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सीबीआई की याचिका पर नोटिस जारी किया और दंपति से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि उच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात) पर विचार किए बिना गलत धारणा पर कार्रवाई की जबकि अपराध अधिकतम सात साल के कारावास के साथ दंडनीय है। पीठ ने राजू से पूछा कि जब यह एक निजी बैंक है तो आईपीसी की धारा 409 कैसे लागू हो गई। राजू ने जवाब दिया कि बैंक निजी हो सकता है लेकिन इसमें जनता का पैसा शामिल है। पीठ ने कहा कि वह नोटिस जारी कर रही है और चंदा कोचर और उनके पति से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

चीनी स्टॉक की देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली । सरकार ने चीनी कारोबार से जुड़े सभी हितधारकों को 17 अक्तूबर यानी मंगलवार तक खाद्य मंत्रालय की वेबसाइट पर अपने स्टॉक का खुलासा करने की अंतिम चेतावनी दी है। ऐसा नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे कारोबारियों पर जुर्माना और प्रतिबंध लग सकता है। खाद्य मंत्रालय ने 23 सितंबर को सभी चीनी हितधारकों को आदेश दिया था कि वे उसकी वेबसाइट पर साप्ताहिक रूप से अपने स्टॉक की स्थिति बताएं। लेकिन, मंत्रालय ने पाया कि चीनी व्यापार व भंडारण से जुड़े कई हितधारकों ने अब भी चीनी स्टॉक प्रबंधन प्रणाली पर खुद को पंजीकृत नहीं किया है। चीनी हितधारकों में थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, बड़े खुदरा विक्रेता और प्रसंस्करण करने वाले शामिल हैं। चावल निर्यातकों ने सुचारू व्यापार के लिए केंद्र से सेला चावल के लिए मौजूदा 20त्न शुल्क के बजाय एक निश्चित 80 डॉलर प्रति टन निर्यात शुल्क लगाने का अनुरोध किया है। भारतीय चावल निर्यातक संघ ने सरकार से सफेद चावल पर जुलाई में लगाए निर्यात प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने व बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य को घटाकर 850 डॉलर प्रति टन करने की भी मांग की है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट जारी

मुंबई। इसराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष के कारण आर्थिक विकास को लेकर उपजी चिंताओं के दबाव में विश्व बाजार के गिरने से स्थानीय स्तर पर नेस्ले, टीसीएस, रिलायंस, मारुति और एसबीआई समेत 19 कंपनियों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट पर रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 115.81 अंक टूटकर 66166.93 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 19.30 अंक फिसलकर 19731.75 अंक रह गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली हुई। इससे बीएसई का मिडकैप 0.25 प्रतिशत चढ़कर 32,387.42 अंक और स्मॉलकैप 0.34 प्रतिशत उठकर 38,316.11 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3953 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2033 में लिवाली जबकि 1746 में बिकवाली हुई वहीं 174 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 22 कंपनियां हरे जबकि 27 लाल निशान पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

बीएसई के नौ समूहों में बिकवाली हुई। इस दौरान एफएमसीजी 0.28, वित्तीय सेवाएं 0.04, हेल्थकेयर 0.47, आईटी 0.10, दूरसंचार 0.74, बैंकिंग 0.11, रियल्टी 0.39, टेक 0.32 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.17 प्रतिशत

चढ़ गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.10, जापान का निक्केई 2.03, हांगकांग का हैंगसेंग 0.97 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.46 प्रतिशत उतर गया जबकि ब्रिटेन के एफटीएसई में 0.29 प्रतिशत की तेजी रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 45 अंक उतरकर 66,238.15 अंक पर खुला और बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 66,039.38 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से यह दोपहर से पहले 66,342.75 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एक बार फिर बिकवाली हुई और यह संभल नहीं पाया और अंत में पिछले दिवस के 66,282.74 अंक के मुकाबले 0.17 प्रतिशत गिरकर 66,166.93 अंक रह गया।

निफ्टी 14 अंक फिसलकर 19,737.25 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,691.85 अंक के निचले जबकि 19,781.30 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,751.05 अंक की तुलना में 0.10 प्रतिशत गिरकर 19,731.75 अंक पर आ गया। इस दौरान सेंसेक्स की 19 कंपनियों में बिकवाली जबकि अन्य में लिवाली हुई। नुकसान उठाने वाली प्रमुख कंपनियों में नेस्ले इंडिया 1.94, टीसीएस 1.29, एशियन पेंट 1.15, इंडसइंड बैंक 1.14, भारती एयरटेल 0.91, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.55, एचडीएफसी बैंक 0.47, रिलायंस 0.33, विप्रो 0.23, मारुति 0.17, टाटा मोटर्स 0.16, एसबीआई 0.08 और आईसीआईसीआई बैंक 0.07 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.71, टाटा स्टील 1.60, एचसीएल टेक 1.20, एक्सिस बैंक 1.13, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.78, पावरग्रिड 0.69, एनटीपीसी 0.56, टाइटन 0.49, एलटी 0.46, इंफोसिस 0.19 और आईटीसी के शेयरों ने 0.09 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

शक्कर मजबूत, खाद्य तेलों में नरमी, दलहन- दाल मजबूत, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग से मजबूती दर्ज की गई। खाद्य तेलों में नरमी रही। सोयाबीन रिफाइंड नीचा होकर बिका। तिलहनों में खरीदी बताई गई। मंडी में दलहन एवं दाल मजबूती लिए रहे। चावल में कामकाज सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर लिवाली से मजबूत रही। आज शक्कर में 04 गाड़ी की आवक हुई। हल्दी तथा खोपरा बूरा लिवाली से बढ़त लिए रहा। साबूदाना में पूछपरख रही।

तेल-तिलहन

मांग कमी के चलते खाद्य तेल नरमी लिए रहे। सोयाबीन रिफाइंड नीचा होकर बिका। तिलहनों में उठाव रहा।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में आज दलहनों ? में उठाव रहा। दाल में खरीदी बढ़ी रही इससे भाव ऊंचे बोले गए। चावल सामान्य वत बना रहा।

किराना

शक्कर 4000 से 4040 रुपये प्रति

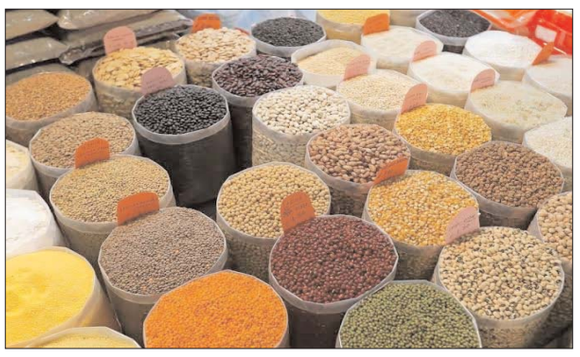

क्विंटल।

खोपरा गोला 100 से 125 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2200 से 3550 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 150 से 275 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 7000 से 7800, पैकिंग में 8200 से 8300 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6200 से 6300, सोयाबीन 3500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1560 से 1580, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 900 से 905, साल्वेंट 855 से 860, पाम तेल 885 से 890 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 6300 से 6400, चना विशाल 6000 से 6100, मसूर 6250 से 6300, तुअर निमाड़ी 9500 से 11700, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 11800 से 12000, तुअर (कर्नाटक) 12100 से 12300, मूंग 8800 से 10000, मूंग हल्की 7000 से 8000, उड़द 8800 से 9000, उड़द हल्की 3000 से 5000 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 8150 से 8650, तुअर दाल सवा नंबर 14600 से 14600, तुअर दाल फूल 15000 से 15200, तुअर दाल बोल्ड 16100 से 16600, आयातित तुअर दाल 13600 से 13700, मसूर दाल 7750 से 8050, मूंग दाल 10600 से 10900, मूंग मोगर 11400 से 11700, उड़द दाल 10500 से 10800, उड़द मोगर 11000 से 11400 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 11500 से 12500, तिबार 9500 से 10000, दुबार 8500 से 9000, मिनी दुबार 7500 से 8000, मोगरा 4200 से 6500, बासमती सैला 7000 से 9500, कालीमूंछ 8000 से 8500, राजभोग 6500 से 7500, दूबराज 4000 से 4500, परमल 2800 से 3000, हंसा सैला 2900 से 3100, हंसा सफेद 2500 से 2700, पोहा 4300 से 4800 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1670 से 1680, मैदा 1580 से 1590, आटा 1550 से 1560, चना बेसन 4100 से 4125 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

गोदरेज इंटेरियो ने किया अपने पोर्टफोलियो का विस्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली । फर्नीचर और इंटीरियर सॉल्यूशंस ब्रांड गोदरेज इंटेरियो दिल्ली-एनसीआर में अपने ग्राहकों के लिए अधिक बेहतर अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुये उसने चालू वित्तीय वर्ष में उत्तरी बाज़ार में 15 नए स्टोर शुरू किए हैं, जिससे पूरे उत्तरी बाज़ार में स्टोरों की कुल संख्या 35 हो गई है।

गोदरेज समूह की कंपनी गोदरेज एंड बॉयस के इस ब्रांड ने आज यहां कहा कि इसके अतिरिक्त इको फर्नीचर रेंज के लॉन्च के साथ उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2025 तक दिल्ली-एनसीआर में इको रेंज फर्नीचर श्रेणी में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है। जैसे-जैसे त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ता मांग बढ़ रही है, गोदरेज इंटेरियो ने भी अपने ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ और निर्बाध खरीदारी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन उपस्थिति के साथ अपनी ताकत मजबूत की है।

गोदरेज इंटेरियो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बी2सी) देव सरकार ने कहा, सेंचुरियन ब्रांड, गोदरेज इंटेरियो के पास पूरे देश में एक मजबूत ब्रांड रिकॉल और महत्वपूर्ण ग्राहक आधार है। घरेलू फर्नीचर बाजार के रूप में दिल्ली-एनसीआर में 15 प्रतिशत से अधिक की लगातार वार्षिक वृद्धि हो रही है, बेडरूम फर्नीचर, लिविंग रूम फर्नीचर, मॉड्यूलर किचन, होम स्टोरेज, गद्दे और अंदरूनी स्टैंडअलोन आवासों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, हम इन बदलते रुझानों को भुनाने और हमारी बाजार उपस्थिति का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। विशेष घरेलू फर्नीचर और घरेलू भंडारण समाधानों की शुरूआत के साथ, हम इस वित्तीय वर्ष में दिल्ली-एनसीआर में ब्रांड को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्तमान में, दिल्ली-एनसीआर में संगठित फर्नीचर क्षेत्र में हमारी 18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है और हम अगले तीन वर्षों के भीतर 35 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का इरादा रखते हैं। हमारा लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2026 तक उत्तरी भारत से लगभग 450 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करना है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने के साथ, गोदरेज इंटेरियो ने अपने ग्राहकों के लिए अधिक पहुंच और निर्बाध खरीदारी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली-एनसीआर में कुल मिलाकर 45 से अधिक चैनल पार्टनर, 35 एक्सक्लूसिव शोरूम और 60 खुदरा विक्रेताओं को नेटवर्क बनाया है। पूरे उत्तर भारत में उनके 150 से अधिक चैनल पार्टनर हैं।

थोक मुद्रास्फीति सितम्बर में 0.26 प्रतिशत नीचे

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में थोक मूल्य सूचकांक में चालू वित्त वर्ष के सितम्बर माह में सालाना आधार पर 0.26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। यह जानकारी सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में दी गयी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, थोक कीमतों में गिरावट मुख्य रूप से खनिज तेल, रसायन और रासायनिक उत्पाद, कपड़ा और मूल धातुओं की कीमतों में सालाना आधार पर नरमी के कारण है।

थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति पिछले छह महीने से शून्य से नीचे बनी हुयी है।

अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक सालाना आधार पर 0.52 प्रतिशत नीचे और जुलाई में यह एक साल पहले की तुलना में 1.23 प्रतिशत नीचे था। गत गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार सितम्बर में खुदरा मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 5.02 प्रतिशत थी, जो तीन माह का इसका न्यूनतम स्तर है।

सितम्बर में ईंधन और बिजली क्षेत्र के थोक मूल्य सूचकांक में सालाना आधार पर 3.35 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी, जबकि अगस्त में ईंधन और बिजली की दरों में 6.03 प्रतिशत की दर से गिरावट आयी थी।

प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में सितम्बर में सालाना आधार पर 3.70 प्रतिशत की वृद्धि दिखी।

विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में इस दौरान सालाना आधार पर 3.4 प्रतिशत की नरमी दर्ज की गयी। खाद्य कीमतों में सालाना आधार पर सितम्बर में 1.54 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी।

सिडबी, जीएएमआई का छोटी एनबीएफसी कंपनियों के लिए पाठ्यकार्यक्रम

मुंबई। लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और उद्यमिता विकास के बिना लाभ के काम करने वाले संगठन ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (जीएएमई) ने छोटी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के ऋण कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए पांच माह का गहन पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है।

एनबीएफसी ग्रोथ ऐक्सीलरेटर प्रोग्राम (एनजीएपी) के लिए पहला कोहॉर्ट (समूह) शुरू किया गया है।

इन संगठनों की ओर से सोमवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसा इस कार्यक्रम की रूपरेखा ऐसी बनायी गयी है कि छोटे एनबीएफसी को भी बड़ा बनाने का रास्ता मिल जाए। इसकी मदद से ये एनबीएफसी सभी मूल्यांकन मानदंडों पर आधारित संस्थागत फंडिंग के लिए आवेदन कर सकेंगे।

छोटे एनबीएफसी के लिए पाँच महीनों के इस गहन पाठ्यक्रम में जोखिम, परिचालन, शासन-प्रणाली (गवर्नेंस), और टेक्नोललॉजी पर इन विषयों के विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण-प्रशिक्षण एवं परामर्श दिए जाएंगे। इसमें साक्षात, वर्चुअल और व्यक्तिगत सत्रों के माध्यम से शिक्षण, समीक्षा और आपसी नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करने के गुर सिखाए जाएंगे।

बयान में कहा गया है कि एनजीएपी सिडबी और जीएएमई द्वारा की गई पहल है, जिसका उद्देश्य ज्यादा छोटे एनबीएफसी के लिए उचित दर पर ऋण की ज़रूरत पूरी करना है। एनबीएफसी बहुत सी जगहों पर नये और माइक्रो उद्यमों को ऋण सहायता देने के लिए सबसे उपयुक्त हैं पर छोटे एनबीएफसी ऐसा करने में अक्सर असमर्थ होते हैं क्योंकि उनको खुद ऋण पूँजी की जरूरत है। ऐसी एनबीएफसी की मजबूती को दर्शाने वाली योग्य रेटिंग उन्हें मुश्किल से मिल पाती है।

ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्यो रशिप के संस्थापक रवि वेंकटेसन ने कहा,देश में केवल 15 प्रतिशत एमएसएमई को ही औपचारिक रूप से ऋण मिल पा रहा है। औचारिक स्रोतों से कर्ज का अभाव उनकी वृद्धि में एक बड़ी बाधा है। इस बाधा को छोटी एनबीएफसी की माद से पार पाया जा सकता है। लेकिन उनकी खुद की क्षमता कम है इस लिए वे उचित दर पर कर्ज देने में असर्थ रहती हैं। इस कार्यक्रम का लक्ष्य तीन साल में सौ से अधिक एनबीएफसी की वित्तपोषण क्षमता बढ़ाना है।

सिडबी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिवासुब्रमण्यिन रमन ने कहा , इस प्रोग्राम से एनबीएफसी को संस्थागत फंडिंग प्राप्त करने में मदद करके एमएसएमई के लिए धनके प्रवाह में सुधार होगा।

वित्तीय उद्योग विकास परिषद (एफआईडीसी) के चेयरमैन और श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के एक्जी्क्यूटिव वाइस चेयरमैन उमेश रावेनकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बड़ी संख्या में एमएसएमई-केन्द्रित एनबीएफसी को उनके आतंरिक जोखिम प्रबंधन सिस्टम को बेहतर बनाने, कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार करने और व्यवसाय के लिए उचित टेक्नो लॉजी अपनाने में मदद कर सकता है।

बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख गिरफ्तार

घूस लेने और अवैध रूप से कर्ज देने का है आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन ने वित्तीय क्षेत्र को निशाना बनाने के लिए दो साल से चलाए जा रहे भ्रष्टाचार रोधी अभियान के बीच रिश्वत लेने और अवैध रूप से कर्ज देने के आरोप में देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंकों में से एक के पूर्व प्रमुख को गिरफ्तार किया है।

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार की जांच कर रहे चीन के सेंट्रल कमीशन फॉर डिसिप्लिन इंस्पेक्शन (सीसीडीआई) ने सोमवार को कहा कि मार्च में जांच शुरू करने की घोषणा करने के बाद बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख लियू लियांगे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भ्रष्टाचार से लड़ने को अपनी राजनीतिक परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है क्योंकि उन्होंने सर्वोपरि नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। 2021 के अंत में अधिकारियों की ओर से वित्तीय क्षेत्र को लक्षित करना शुरू करने के बाद से बड़ी संख्या में बैंकरों और फाइनेंसरों को जांच का सामना करना पड़ा है।

शी लंबे समय से कहते रहे हैं कि वित्तीय क्षेत्र को वास्तविक अर्थव्यवस्था की सेवा करनी चाहिए, जो धीमी वृद्धि और उच्च युवा बेरोजगारी से जूझ रही है। रॉयटर्स के अनुसार, वित्तीय क्षेत्र के कई अन्य लोग भी जांच के दायरे में हैं या उनपर आरोप लगे हैं, इनमें चीन के एक स्टार फंड मैनेजर वांग यावेई भी शामिल हैं। वहीं, चीन की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक चाइना लाइफ इंश्योरेंस के पूर्व अध्यक्ष वांग बिन को पिछले महीने एक अदालत ने भ्रष्टाचार का दोषी पाया था और उन्हें निलंबित मौत की सजा सुनाई थी, इसके बाद वह अपना शेष जीवन जेल में बिताएंगे।

लियू को पिछले हफ्ते कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। सीसीडीआई द्वारा उनपर देश में प्रतिबंधित प्रकाशन लाने, अवैध रूप से रिश्वत लेने और निजी क्लबों व स्की रिसॉर्ट्स में मनोरंजन स्वीकार करने का आरोप लगाया गया था।

बैंक ऑफ चाइना राज्य के स्वामित्व वाले चार बड़े चीनी बैंकों में से एक है। यह वैश्विक वित्तीय स्थिरता के मामले में टॉप 11 बैंकों में रैंक करता है। वित्तीय स्थिरता बोर्ड के अनुसार यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के अनुसार, संपत्ति के मामले में यह दुनिया का चौथ सबसे बड़ा बैंक है।

नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ी मामले में टीसीएस ने की बड़ी कार्रवाई, 16 कर्मचारी बाहर

नई दिल्ली । देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी टीसीएस ने भर्ती घोटाले में दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की है। कंपनी अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि कई महीनों की जांच के बाद 19 कर्मचारियों को दोषी पाया गया जिसमें 16 लोगों को कंपनी से बाहर कर दिया गया। तीन अन्य कर्मचारियों को रिसोर्स मैनेजमेंट यूनिट से हटा दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी से बाहर किए जाने वाले लोगों में रिसोर्स मैनेजमेंट ग्रुप के पूर्व प्रमुख ई एस चक्रवर्ती भी शामिल हैं। उन्हें भी बर्खास्त कर दिया गया है। टीसीएस ने अपने बयान में बताया कि छह थर्ड पार्टी स्टाफिंग फर्म्स यानी वेंडर्स को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। बता दें कि फरवरी-मार्च महीने में दो अलग-अलग व्हिसल ब्लोअर्स ने टीसीएस की नियुक्ति प्रक्रिया में घोटाले का आरोप लगाया था। चक्रवर्ती पर कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स की भर्ती में धांधली करने का आरोप लगा था। कंपनी ने 18 अप्रैल को उन्हें अवकाश पर भेज दिया था। टीसीएस ने अब उन्हें बर्खास्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने 23 जून को एक्सचेंज को बताया था कि वह इस मामले की जांच कर रही है। अब कंपनी की ओर से बताया गया है कि उसने जांच पूरी कर ली है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कंपनी ने कहा कि टाटा ग्रुप की कंपनी होने के नाते अनैतिक व्यवहार और मूल्यों के खिलाफ किए गए किसी भी तरह के आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हम चाहते हैं कि हमारे सभी भागीदार और कर्मचारी टाटा ग्रुप के कोड ऑफ कंडक्ट का सख्ती से पालन करें।

नई दिल्ली
मंगलवार 17 अक्टूबर 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

केरल और चंडीगढ़ क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। एमआईसी इंग्लिश मीडियम स्कूल,मलप्पुरम, केरल और मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चंडीगढ़ ने राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न स्थानों पर खेले जा रहे 62वें सुब्रतो कप इंटर स्कूल इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट में क्रमश: ग्रुप बी और ग्रुप ए से क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। केरल ने पूर्व चैंपियन बांग्लादेश क्रिडा शिक्षा प्रतिष्ठान (बीकेएसपी) को 4-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि चंडीगढ़ ने रामकृष्ण मिशन स्कूल,वेस्ट सियांग, अरुणाचल प्रदेश को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की।जीडी गोयनका ग्राउंड में, दुर्गा उच्च विद्यालय, बांका, बिहार ने शहीद जवान मुथुकोया मेमोरियल,लक्षद्वीप को 2-0 से और द एमराल्ड हाइट्स स्कूल, इंदौर ने लक्ष्मण ज्ञानपीठ डीएलएसएस, अहमदाबाद को 2-1 से हराया। सुब्रतो पार्क फुटबॉल ग्राउंड में टी.जी इंग्लिश मीडियम स्कूल, बिष्णुपुर, मणिपुर ने कड़े मुकाबले में एनसीसी कोलकाता को 2-1 से हराकर ग्रुप सी में अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की। ग्रुप के दूसरे मैच में श्री सैनिक आवासीय महाविद्यालय, भक्तपुर, नेपाल ने इन्वेंचर एकेडमी, बेंगलुरु को 3-1 से हराया।

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने से बढ़ेगा खेल का कद : जय शाह

मुबंई। आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने के आईओसी के फैसले का स्वागत करते हुये बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि प्रतिष्ठित चतुष्कोणीय आयोजन में क्रिकेट की भागीदारी निस्संदेह खेल के वैश्विक कद को बढ़ाएगी। शाह ने सोमवार को जारी बयान में कहा बीसीसीआई क्रिकेट को ओलंपिक खेल के रूप में शामिल करने के आईसीसी के प्रयासों का कट्टर समर्थक रहा है। हम इस महत्वपूर्ण अवसर को देखकर रोमांचित हैं, जो खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। क्रिकेट को बढ़ावा देने में हमारी सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की पहल भारत के 2036 ओलंपिक की मेजबानी के विचार के अनुरूप है। उन्होने कहा भारतीय क्रिकेट टीम के पास अद्वितीय वैश्विक प्रशंसक आधार है और इस प्रतिष्ठित चतुष्कोणीय आयोजन में उनकी भागीदारी निस्संदेह खेल के वैश्विक कद को बढ़ाएगी। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 और चीन के हांगझाउ में एशियाई खेल 2022 में क्रिकेट की उपस्थिति सुनिश्चित करने में हमारा योगदान महत्वपूर्ण था। ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने से इस खेल के लिए नए मोर्चे खुलेंगे।।

शीतकालीन ओलंपिक 2026 में स्लाइडिंग स्पर्धा इटली के बाहर होगी

मुंबई। मिलान-कोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक 2026 में स्लाइडिंग स्पर्धाएं इटली के बाहर आयोजित की जाएंगी।मुम्बई में 141वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र की सोमवार को हुई बैठक में मिलान-कोर्टिना 2026 आयोजन समिति के अध्यक्ष जियोवन्नी मलागो ने बोबस्लेय, स्केलेटन और ल्यूज को कॉर्टिना से अन्य विदेशी स्थल पर स्लाइडिंग स्पर्धाएं स्थानांतरित करने के निर्णय की घोषणा की। मैलागो ने आईओसी सत्र में कहा, हाल ही में दो दिन पहले, सरकार ने हमें कॉर्टिना स्लाइडिंग सेंटर के साथ आगे नहीं बढ़ने और स्लाइडिंग सेंटर को पहले से मौजूद और काम करने वाले स्थान पर स्थानांतरित करने के सर्वोत्तम और सबसे टिकाऊ विकल्प पर विचार करने के लिए सूचित किया था। उन्होंने कहा, परिणामस्वरूप, मिलानो कॉर्टिना 2026 को इटली के बाहर एक अन्य स्थल की पहचान की जायेगी । उन्होंने कहा, अंतिम अनुमोदन के लिए अपने बोर्ड को विकल्प प्रस्तुत करने से पहले हम आईओसी और अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ मिलकर सभी संभावित समाधान और विकल्प तलाशने पर काम कर रहे हैं।

हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला और पुरुष वेस्ट जोन चैंपियनशिप का खिताब मध्य प्रदेश को

छत्तीसगढ़। मध्य प्रदेश ने पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला वेस्ट जोन चैंपियनशिप 2023 का खिताब अपने नाम कर लिया है। राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ में सोमवार को संपन्न चैंपियनशिप में हॉकी मध्य प्रदेश ने छत्तीसगढ़ हॉकी को 3-1 से हरा कर सब जूनियर महिला वर्ग का खिताब जीता। हॉकी महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा। सब जूनियर पुरुष वर्ग में हॉकी मध्य प्रदेश ने दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी को 8-1 से हराकर खिताब जीता। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ हॉकी तीसरे स्थान पर रही। सब जूनियर महिला वर्ग के फाइनल में छत्तीसगढ़ की सिदार मधु (5) ने पहला गोल किया लेकिन मध्य प्रदेश ने जवाबी हमला करते हुये सुजाता जयंत (43), कनक पाल (53) और तन्वी (60) के गोल की बदौलत निर्णायक बढ़त हासिल की। इस बीच, सब जूनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश ने दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी को एक तरफा मुकाबले में 8-1 से रौंद दिया। मध्य प्रदेश के लिए आशिर आदिल खान छह गोल (32, 48, 52, 53, 59, 60) किये जबकि सिद्धार्थ बेन (15) और लव (39) ने एक-एक गोल किया।

नीता अंबानी ने क्रिकेट प्रेमियों को दी बधाई

मुंबई। अन्तरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की सदस्य और रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर अध्यक्ष नीता अंबानी ने दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल किये जाने पर बधाई दी है। मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में चल रही आईओसी की बैठक में क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने का फैसला लिया गया। आईओसी प्रेसिडेंट थॉमस बाख ने सोमवार को यहां इसकी आधिकारिक घोषणा की। क्रिकेट के अलावा बेसबाल एंड सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबाल, स्क्वॉश, और लैक्रूज को भी लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। आईओसी की सदस्य अंबानी ने क्रिकेट के दीवानों को बधाई देते हुए कहा, 1.4 अरब भारतीयों के लिए, क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं है, एक धर्म है! मुझे खुशी है कि यह ऐतिहासिक प्रस्ताव हमारे देश में मुंबई में हो रहे 141वें आईओसी सत्र में पारित किया गया। उन्होंने आईओसी सदस्यों के फैसले का स्वागत करते हुए कहा आईओसी सदस्य, एक गौरवान्वित भारतीय और एक क्रिकेट प्रशंसक के रूप में मुझे खुशी है कि आईओसी सदस्यों ने लॉस एंजेलिस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को ओलंपिक खेल में शामिल करने के लिए वोट किया। उल्लेखनीय है कि जबरदस्त लोकप्रियता और प्रतिष्ठा के बावजूद क्रिकेट को ओलंपिक खेलों में फिर से शामिल होने के लिए 128 सालों का इंतजार करना पड़ा।

विजय वॉरियर्स टीम ने श्री अग्रसेन क्रिकेट लीग जीती

पुणे। श्री महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में सोमवार को विजय वॉरियर्स ने रॉकी इलेवन को छह रनों से हराकर श्री अग्रसेन क्रिकेट लीग ट्रॉफी अपने नाम कर ली। विजय वॉरियर्स टीम ने सात ओवर में 7 विकेट पर 71 रन बनाए। जवाब में रॉकी इलेवन 65 रन पर आउट हो गई। महिला वर्ग में टीम फिटनेस मंत्रा ने ओएसआर स्मैशर्स को हराकर जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में तेजस बंसल मैच ऑफ द प्लेयर्स रहे जबकि महिला वर्ग में सोनिया अग्रवाल मैच ऑफ द प्लेयर्स रहीं। यह टूर्नामेंट 18 समूहों में खेला गया जिसमें 12 पुरुष समूह, 04 महिला समूह और 02 लड़कों के समूह शामिल थे। फाइनल गंगाधाम मार्केट यार्ड के डाउनटाउन मैदान में आयोजित किया गया। फाइनल गंगाधाम मार्केट यार्ड के डाउनटाउन मैदान में आयोजित किया गया।

नीरज, दीपिका सहित कई हस्तियों ने ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की वापसी फैसले का किया स्वागत

एजेंसी

मुम्बई । भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण सहित कई अन्य हस्तियों ने लंबे इंतजार के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी का स्वागत किया है।

मुंबई में हुए 141वें आईओसी सत्र में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सोमवार को औपचारिक रूप से लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किये जाने की घोषणा की। बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश के साथ, क्रिकेट भी लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल करने के लिए एलए 28 आयोजन समिति द्वारा प्रस्तावित पांच अतिरिक्त खेलों में से एक था।

एक सदी से भी लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक खेल में क्रिकेट की वापसी का खिलाड़ियों ने दिल से स्वागत किया गया। प्रशंसकों और मशहूर एथलीटों से लेकर बॉलीवुड सुपरस्टार तक सभी ने आईओसी के इस फैसले की सराहना की।

भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा, यह भारत के लिए बहुत अच्छी खबर है क्योंकि हमारे पास एक शानदार क्रिकेट टीम है और कुछ शानदार और उभरते हुए खिलाड़ी हैं जिनमें काफी संभावनाएं हैं। इससे क्रिकेट को भी फायदा होगा, क्योंकि ओलंपिक में प्रवेश से दुनियाभर में इसके लिए रुचि बढ़ेगी। उन्होंने कहा, इस खेल को एलए 28 में शामिल किए जाने से क्रिकेट का वैश्विक स्तर पर विस्तार होने और अधिक से अधिक देशों को इस खेल को गंभीरता से लेने के लिए प्रोत्साहित

करने का एक अवसर मिलेगा।

भारतीय हॉकी स्टार पीआर श्रीजेश ने कहा, क्रिकेटरों के लिए यह एक एथलीट के जीवन को जानने का मौका है। वे आमतौर पर बेहतरीन जगहों की यात्रा करते हैं और आलीशान होटलों में रुकते हैं। लेकिन जब वे ओलंपिक विलेज पहुंचेंगे, तो उन्हें कई ओलंपियन, पदक विजेता और दिग्गज अंतरराष्ट्रीय एथलीट दिखाई देंगे। इसलिए यह उनके लिए एक शानदार अनुभव होगा।

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने कहा, मैं अभिनेता बनने से पहले एक एथलीट थी और खेल मेरे डीएनए में है। भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है और इसलिए यह वास्तव में रोमांचक है। आपको बता दें, दीपिका भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण की बेटी हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने कहा, क्रिकेटरों के रूप में, हम हमेशा विश्व कप के लिए तैयारी करते हैं, लेकिन अब ओलंपिक भी होंगे।

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं भारतीय पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट टीमों को एलए 28 में भाग लेते और ओलंपिक मंच पर अपने देश के लिए पदक जीतते हुए देखूंगी। सभी क्रिकेटरों के लिए वास्तव में यह रोमांचक समय होगा। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से गोस्वामी ने संन्यास ले लिया था, लेकिन वह अभी भी महिला एकदिवसीय वर्ग में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।

हांगझोउ में 2023 एशियन खेल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को स्वर्ण पदक दिलाने वाली हरमनप्रीत कौर ने कहा, हर कोई वास्तव में एलए 28 का इंतजार कर रहा है और हमें उम्मीद है कि हम ओलंपिक में भी वैसा ही प्रदर्शन कर सकते हैं जैसा हमने एशियाई खेल में किया था।

उल्लेखनीय क्रिकेट मशहूर टी-20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट टूर्नामेंट 2010, 2014 और 2023 में एशियाई खेल का हिस्सा थे। लॉस एंजिलेस 2028 में क्रिकेट के फॉर्मेट और क्वालीफिकेशन प्रक्रिया का ऐलान बाद में किया जाएगा। पेरिस में वर्ष 1900 ओलंपिक में, ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की दो टीमों ने दो दिवसीय 'टेस्ट' मैच फॉर्मेट में एक-दूसरे का सामना किया था। उस समय दोनों टीमों ने पारंपरिक तौर पर 11 के बजाय 12 खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा था।

हॉकी अकादमी चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश का दबदबा

एजेंसी

ग्वालियर। पहली हॉकी इंडिया जूनियर और सब जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 2023 - (जोन ए) के पांचवें दिन सोमवार को मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी और मेघबरन सिंह हॉकी अकादमी ने सब जूनियर महिला वर्ग में अपने-अपने मैच जीते जबकि मध्य जूनियर महिला वर्ग में प्रदेश हॉकी अकादमी और एचआईएम अकादमी अपने-अपने खेल में विजयी रहीं।

दिन के पहले मैच में सब जूनियर वर्ग में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी ने खालसा हॉकी अकादमी (अमृतसर) को 16-0 से हराया। सिंह परिधि (1, 26, 35), भूमि (23, 42, 44), बी अलविना (6, 17), जासिया अंसारी (8, 55), ताहुर नाज़ (11, 24), सिंह शालिनी (2), बामनिया शिवानी (31), परमार ख्वाहिश (52) और बरसिया शिवानी (57) ने मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी के लिए गोल किये।

सब जूनियर वर्ग के दूसरे मैच में मेघबरन सिंह हॉकी अकादमी ने राजा करन हॉकी अकादमी को 4-1 से हराया।

मेघबरन सिंह हॉकी अकादमी के लिए सागर मंशी (25, 48), राजभर रागिनी (53) और तिवारी रानू (56) ने गोल किए, जबकि तनीषा (10) ने राजा करण हॉकी अकादमी के लिए एकमात्र गोल किया।

दिन का तीसरा मैच, जो जूनियर वर्ग का पहला मैच था, में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी ने सैल्यूट हॉकी अकादमी को 8-0 से हराया।

दर्शक दीर्घा में गिरा बैनर, खेल में पड़ी खलल

लखनऊ। श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व कप मुकाबले में सोमवार को कुछ समय के लिये व्यवधान पड़ा जब तेज आंधी के बीच एक फ्लैक्सी बैनर उड़कर दर्शक दीर्घा में जा गिरा। दरअसल, श्रीलंका की पारी का 43वां ओवर चल रहा था कि करीब छह बजे स्टेडियम के ऊपरी सिरे पर लगे फ्रेम से उखड़ कर एक हल्का फ्लेक्सी बैनर उड़ कर दर्शक दीर्घा में गिर गया। इससे दीर्घा में अफरातफरी का माहौल व्याप्त हो गया और दर्शक गैलरी से बाहर जाते दिखे। यह नजारा देख कर दोनो टीमों के खिलाड़ी भी हतप्रभ रह गये और इस कारण करीब तीन मिनट तक खेल रूका रहा।स्टेडियम प्रशासन का कहना है कि तेज हवा के कारण एक बैनर फ्रेम से उखड कर दर्शक दीर्घा में गिरा था। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

सुक्खू ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली कबड्डी टीम के सदस्यों को किया सम्मानित

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हाल ही में चीन के हांगझोउ में आयोजित एशियाई खेल 2023 में स्वर्ण पदक जीतने के लिए भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीमों के सदस्यों को सम्मानित किया। हिमाचल प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन द्वारा सोमवार को पीटरहॉफ में आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री सुक्खू ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और स्वर्ण पदक जीतकर तथा अपनी ताकत और प्रतिभा का प्रदर्शन कर राज्य और देश का नाम रोशन करने के लिए खिलाड़ियों की सराहना की।

सुक्खू ने कहा, आज पूरे देश को भारतीय टीमों के प्रदर्शन पर गर्व है। जिसने एशियाई खेल 2023 में 107 पदकों को हासिल कर एक नया रिकॉर्ड बनाया, जो भारतीय खिलाड़ियों के धैर्य और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में भारतीय कबड्डी टीम की महिला टीम की कप्तान रितु नेगी के अलावा अन्य सदस्य निधि शर्मा, पुष्पा राणा, सुषमा शर्मा और भारतीय पुरुष कबड्डी टीम के सदस्य विशाल भारद्वाज शामिल थे, जो सभी हिमाचल से हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल की महिला खिलाड़ी निश्चित रूप से राज्य की अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का नाम रोशन करने वाले इन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए सरकार जल्द ही एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार खेल नीति में सुधार लाने और राज्य में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विचार कर रही है।

हमास की कैद में 199 लोग

लेबनान बॉर्डर भी खाली कराएगी इजराइल सेना; जल्द तेल अवीव का दौरा कर सकते हैं बाइडेन

तेल अवीव। इजराइली डिफेंस फोर्स का कहना है कि 199 लोग हमास के लड़ाकों की कैद में हैं। पहले ये आंकड़ा 120 बताया गया था। लड़ाके इन बंधकों को गाजा ले गए हैं। इधर, इजराइल-हमास जंग के बीच लेबनान में एक और मोर्चा खुलने जा रहा है।

इजराइल ने कहा है कि लेबनान बॉर्डर पर भी 2 किलोमीटर दूर तक का इलाका खाली कराया जाएगा। कल लेबनान में हुए हिजबुल्लाह के अटैक के बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई की थी। इसके बाद इजराइल की 28 कम्युनिटीज को वहां से हटाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द इजराइल का दौरा कर सकते हैं। हालांकि, तारीख अभी तय नहीं है। एक अमेरिकी अफसर ने न्यूज एजेंसी एपी से कहा- इजराइल के साथ एकजुटता और मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताने का यह तरीका होगा।

सीजफायर पर सहमति नहीं बनी

इजराइल के गाजा पर किए गए हमले में हजार लोग लापता हैं। इनके मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें दक्षिणी गाजा में राफाह क्रॉसिंग पर युद्ध विराम पर सहमति बनने की बात कही गई थी। फिलहाल गाजा खाली करने के लिए राफाह क्रॉसिंग एकलौता रास्ता है।

बाइडेन बोले- गाजा पर कब्जा इजराइल की बड़ी गलती होगी

इजराइल-हमास जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि हमास का खात्मा जरूरी है, लेकिन गाजा पर कब्जा इजराइल की बड़ी गलती होगी। उन्होंने कहा- हमास ने बर्बरता की है। इस संगठन का खात्मा जरूरी है, लेकिन फिलिस्तीन लोगों के लिए भी देश होना चाहिए, अलग सरकार होनी चाहिए।

वहीं, अगर इजराइल गाजा पर कब्जा कर लेता है तो ये उसकी बहुत बड़ी गलती होगी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आने वाले दिनों बाइडेन इजराइल जा सकते हैं।

एपी ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि बाइडेन की इजराइल विजिट की डेट फिलहाल फाइनल नहीं हुई है।

इधर, इजराइल डिफेंस फोर्स ने हमास के हमले से पहले और बाद की सैटेलाइट फोटो शेयर की। इसमें जली हुई इमारतें और काला धुआं दिखा रहा है।7 अक्टूबर से शुरू हुई जंग का आज 10वां दिन है। अब तक इजराइल के हमलों से गाजा में 2,450 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इनमें 724 से ज्यादा बच्चे और 370 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। वहीं, हमास के हमले में करीब 1,400 इजराइली मारे गए हैं।

गाजा पर बड़े हमले से पहले हवाई दौरा

इजराइली एयरफोर्स ने ग्राउंड फोर्सेज को गाजा पट्टी पर बड़े हमले से पहले इलाके का हवाई दौरा कराया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा पट्टी पर हमले के लिए उन कमांडर्स को चुना गया है, जो पहले भी गाजा में तैनात रह चुके हैं।

दरअसल, 2005 से पहले गाजा पट्टी पर इजराइल का ही कब्जा था। इस इलाके को इजराइल ने 1967 की जंग के बाद जीता था। हालांकि, 2005 में ओस्लो संधि के बाद यहां से अपनी फौज को हटाकर, कब्जा भी छोड़ दिया था।

पाकिस्तान में एएनएफ ने 100 किलो ड्रग किया जब्त, तीन गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एंटी नारकोटिक्स बल (एएनएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ देश के विभिन्न इलाकों में बड़े पैमान पर अभियान चलाया और 100 किलोग्राम ड्रग के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। यह जानकारी एएनएफ ने सोमवार को दी। एएनएफ ने बताया कि अभियान के दौरान हेरोइन, हशीश, अफ़ीम, क्रिस्टल मेथामफेटामाइन और अन्य मादक पदार्थ बरामद किए। एएनएफ टीम ने बलूचिस्तान प्रांत के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया और 65 किलोग्राम ड्रग बरामद किया तथा एक तस्कर को गिरफ्तार किया। एएनआई ने बताया कि प्रांत की राजधानी क्वेटा से 30 किलोग्राम हाशीश बरामद किया गया।

ऑस्ट्रेलिया के शेवरॉन एलएनजी कर्मचारी फिर से करेंगे शुरू हड़ताल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के शेवरॉन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) सुविधाओं के कर्मचारियों के गुरुवार को अपनी हड़ताल फिर से शुरू करने की उम्मीद है, क्योंकि यूनियनों और ऊर्जा दिग्गज के बीच सौदे को अंतिम रूप देने के चरण में बातचीत विफल रही। ऑस्ट्रेलियन वर्कर्स यूनियन और मैरीटाइम यूनियन ऑफ ऑस्ट्रेलिया के गठबंधन ऑफशोर एलायंस (ओए) ने रविवार को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि करीब 410 सदस्यों ने गुप्त मतदान में 91 प्रतिशत संरक्षित औद्योगिक कार्रवाई (पीआईए) गुरुवार को शुरू करने के समर्थन में मतदान किया। औद्योगिक कार्रवाई पर एक बयान में शेवरॉन ऑस्ट्रेलिया के एक प्रवक्ता ने मतदान परिणाम पर अत्यधिक निराशा व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि शेवरॉन ऑस्ट्रेलिया की गोर्गन और व्हीटस्टोन परियोजनाएं मिलकर प्रति वर्ष 2.45 करोड़ टन एलएनजी का उत्पादन करने की क्षमता रखती हैं। ऑस्ट्रेलियाई वित्तीय समीक्षा के अनुसार, आठ सितंबर से सभी तीन वेस्ट कोस्ट सुविधाओं पर लगभग 500 यूनियन सदस्यों ने एक औद्योगिक कार्रवाई शुरू कर दी है, जिससे दुनिया की सात प्रतिशत एलएनजी आपूर्ति को खतरा हो सकता है।

कम्बोडिया के पर्यटक केंद्र में चीनी निवेशित एसएआई का परिचालन शुरू

नोम पेन्ह। कम्बोडिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित पर्यटक केंद्र में चीनी निवेश वाले सिएम रीप अंगकोर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एसएआई) ने सोमवार को परिचालन शुरू कर दिया। बैंकॉक एयरवेज द्वारा संचालित पहली वाणिज्यिक उड़ान सोमवार सुबह हवाई अड्डे पर उतरी, जिसका कंबोडियाई उप प्रधान मंत्री और कैबिनेट मंत्री वोंगसी विसोथ ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर श्री विसोथ ने कहा कि नया हवाई अड्डा कोविड-19 महामारी के बाद के युग में सिएम रीप प्रांत में पर्यटन के विकास को बढ़ावा देगा। यह बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत कंबोडिया और चीन के बीच अच्छे सहयोग का एक प्रमाण है। विसोथ ने कहा कि एसएआई लंबी अवधि में कंबोडिया के पर्यटन, व्यापार और अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देगा और सिएम रीप प्रांत के स्थानीय लोगों को इस हवाई अड्डे से अधिकतम लाभ मिलेगा। एसएआई में अंगकोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा निवेश किया गया है, जो चीन की युन्नान इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स लिमिटेड की सहयोगी कंपनी है। राज्य नागरिक उड्डयन सचिवालय के प्रभारी मंत्री माओ हवानॉल ने कहा कि हवाई अड्डा होगा 2024 से प्रति वर्ष 70 लाख हवाई यात्रियों और 2040 से प्रति वर्ष 1.20 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम हो जाएगा।

हमास का गाजा में इजरायल के साथ अस्थायी युद्धविराम से इनकार

गाजा । फिलिस्तीनी इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) ने सोमवार को उन खबरों का खंडन किया कि वह गाजा पट्टी में इजरायल के साथ अस्थायी युद्धविराम पर सहमत हो गया है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि मिस्र को तटीय इलाके में मानवीय सहायता भेजने की अनुमति देने के लिए गाजा में पांच घंटे का युद्धविराम होगा। रिपोर्टों के अनुसार युद्धविराम के तहत गाजा और मिस्र के बीच एकमात्र क्रॉसिंग पॉइंट राफा सीमा पार को गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश तथा संघर्ष क्षेत्र से विदेशियों की निकासी की अनुमति देने के लिए फिर से खोला जाएगा। गाजा में हमास की ओर से संचालित सरकारी मीडिया कार्यालय के प्रमुख सलामा मारौफ ने एक बयान में कहा,हमें किसी भी पक्ष से सूचित नहीं किया गया कि गाजा में आगामी घंटों में संघर्ष विराम होगा। राफा में एक एजेंसी ने पुष्टि की कि सीमा बिंदु अभी भी बंद है और जल्द ही फिर से खुलने का कोई संकेत नहीं है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने विदेशियों की निकासी के लिए गाजा में युद्धविराम या मानवीय सहायता पर किसी भी समझौते पर पहुंचने से भी इनकार किया। इजरायल ने पिछले घंटों के दौरान गाजा पर अपने हमले बढ़ा दिए जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए।

मुस्लिम देश फिलिस्तीनियों को क्यों नहीं अपनाते : निकी हेली

इजराइल-हमास जंग के बीच रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रही कैंडिडेट निकी हेली ने इस्लामिक देशों की आलोचना की है। निकी हेली ने पूछा है कि आखिर गाजा छोड़ रहे फिलिस्तीनियों को मुस्लिम देश पनाह क्यों नहीं दे रहे हैं।

भारतीय मूल की निकी हेली ने सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में कहा- हमें यकीनन फिलिस्तीनी नागरिकों की चिंता करनी चाहिए, खासकर उनकी जो निर्दोश हैं, लेकिन इस सब के बीच अरब देश कहां हैं।

उन्होंने कहा- कतर, लेबनान, जॉर्डन, मिस्र क्या कर रहे हैं। वो फिलिस्तीनियों के लिए अपने दरवाजे क्यों नहीं खोल रहे।

निक्की हेली ने इसका जिम्मेदार हमास को ठहराया। उन्होंने कहा कि अरब देश भी हमास से छुटकारा पाना चाहते हैं। जब वही हमास को स्वीकार नहीं कर रहे तो इजराइल क्यों करेगा। निक्की हेली ने कहा कि मुस्लिम देश अमेरिका और इजराइल को जिम्मेदार ठहराना चाहते हैं।

हेली ने कहा कि हमें इनकी बातों में नहीं आना चाहिए। ये देश चाहें तो सब ठीक कर सकते हैं। इनकी इतनी क्षमता है कि ये हमास को जाकर कहें कि वो हमले करना बंद करे और लोगों को जाने दे। कतर फिर भी हमास की लीडरशिप के साथ काम करेगा। ईरान फिर भी हमास की फंडिंग करेगा और सारे अरब देश चुप रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

नई दिल्ली
मंगलवार 17 अक्टूबर 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार को राहत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपी व कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के खिलाफ की केंद्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) की जांच पर लगी अंतरिम रोक हटाने की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई सात नवंबर को करेगा। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने शिवकुमार को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए सात नवंबर 2023 की तारीख मुकर्रर कर दी। पीठ ने सीबीआई की उस याचिका को खारिज कर दी, जिसमें उच्च न्यायालय के स्थानआदेश पर रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी। पीठ ने सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलें खारिज करते हुए कहा,हम इस पर एकपक्षीय रोक नहीं लगा रहे हैं। वह आदमी (शिवकुमार) कहीं भाग नहीं रहा है। राजू ने दलील दी थी कि मामले में 90 फीसदी जांच पूरी हो चुकी है। उन्होंने यह भी दावा किया आरोपी को हलफनामे में उसके 'झूठे' बयान पर अंतिम रोक लगाई गई थी। कर्नाटक उच्च न्यायालय 2020 के मामले में जून 2023 में रोक लगा दी थी केंद्रीय एजेंसी ने दावा किया कि शिवकुमार ने अप्रैल 2013 से अप्रैल 2018 तक आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक 74.93 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की, जब वह कांग्रेस नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार में ऊर्जा मंत्री थे।

दुनिया में 70 करोड़ लोग प्रतिदिन 2.15 डॉलर से भी कम में गुजारा कर रहे हैं: गुटेरस

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने दुनिया को गरीबी से मुक्त करने का संकल्प दोहराते हुए सोमवार को कहा कि 70 करोड़ से अधिक लोग प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से भी कम में मुश्किल से गुजारा कर रहे हैं। गुटेरस ने अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस पर यहां जारी एक संदेश में कहा कि एक अरब से अधिक लोग भोजन, जल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी मूल आवश्यकताओं से वंचित हैं। अरबों लोगों को स्वच्छता सुविधा, ऊर्जा, रोजगार, आवास और सामाजिक सुरक्षा कवच सुलभ नहीं है। इस बीच युद्ध, जलवायु संकट, विशेषकर महिलाओं एवं लड़कियों के साथ भेदभाव और उनके बहिष्कार के कारण संकट गहराता जा रहा है। गुटेरस ने कहा, गरीबी से मुक्ति हमारे दौर की चुनौती की है लेकिन हम इस चुनौती पर विजय पा सकते हैं। इस महत्वपूर्ण दिवस पर आइए, दुनिया को गरीबी से मुक्त करने का संकल्प दोहराएं। उन्होंने कहा कि गुजरे जमाने के निष्क्रिय और अनुचित वैश्विक वित्तीय तंत्र ने स्थिति और जटिल कर दी है क्योंकि यह गरीबी कम करने एवं सतत विकास लक्ष्यों में निवेश करने की विकासशील देशों की क्षमता में बाधक है। यदि यही स्थिति जारी रही तो वर्ष 2030 तक लगभग 50 करोड़ लोग निपट गरीबी में जी रहे होंगे। इस स्थिति को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

पूर्वोत्तर में आधार बढ़ाने को आप लड़ेगी मिज़ोरम विधानसभा चुनाव

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में संगठन का निर्माण करना और चुनाव लड़ना काफी कठिन है इसके बावजूद वहाँ के लोगों की अकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने मिज़ोरम में चुनाव लड़ने का फ़ैसला किया है। आप के पूर्वोत्तर राज्यों के प्रभारी राजेश शर्मा ने सोमवार को यहाँ संवाददाता सम्मेलन में मिज़ोरम विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्वोत्तर राज्यों में संगठन विस्तार और चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया। संगठन विस्तार के लिए समन्वय समिति और पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर की जनता शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई और बेरोजगारी समेत कई समस्याओं से जूझ रही है। लोगों को यकीन है कि इन समस्याओं का समाधान सिर्फ आम आदमी पार्टी दे सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर में संगठन का निर्माण करना और चुनाव लड़ना काफी कठिन है। इसके बावजूद लोगों की आशा और अकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पार्टी मिज़ोरम से चुनाव लड़ने की शुरुआत करने जा रही है। पूर्वोत्तर के राज्यों में भ्रष्टाचार और लूटतंत्र जैसी कई गंभीर समस्याएं हैं।

कांग्रेस ने मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए घोषित किए 39 उम्मीदवार

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मिजोरम की 40 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम को संस्तुति दी है। मिजोरम विधानसभा की 40 सीटों में से 39 के लिए कांग्रेस ने नाम घोषित किए हैं। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष लाल सवता को एजल दक्षिण-3 से उम्मीदवार बनाया है। वरिष्ठ नेता ललसावता को एजल पश्चिम-3 विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है जबकि एजल पूर्व-1 से ललसंगलरा राताले को, एजल पश्चिम-1 से आर ललबियाकथांगा और पलाक से आईपी जूनियर को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ नेता ललथनहावला को इस बार टिकट नहीं दिया है। पिछले दिनों उन्हें कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति सीडब्ल्यूसी का सदस्य बनाया गया था। समझा जा रहा है कि उनकी सेहत को देखते हुए पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया है। मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर को खत्म होगा।

मोदी मुंबई में अमृत काल विजन 2047 जारी करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मुंबई में ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट (जीएमआईएस) 2023 के तीसरे संस्करण में भारतीय समुद्री ब्ल्यू इकॉनोमी के लिए दीर्घकालिक रोडमैप अमृत काल विजन 2047 जारी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मोदी कल सुबह लगभग साढ़े दस बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट (जीएमआईएस) 2023 के तीसरे संस्करण का उद्घाटन करेंगे। यह शिखर सम्मेलन 17 से 19 अक्टूबर तक मुंबई के एमएमआरडीए मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री भारतीय ब्ल्यू इकॉनोमी के लिए दीर्घकालिक रोडमैप अमृत काल विजन 2047 का अनावरण करेंगे। इस रोडमैप में बंदरगाह सुविधाओं को बढ़ाने, टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से रणनीतिक पहल की रूपरेखा बताई गई है। इस अत्याधुनिक योजना के अनुरूप, प्रधानमंत्री 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री गुजरात में दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण में साढ़े चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित होने वाले टूना टेकरा ऑल वेदर डीप ड्राफ्ट टर्मिनल की आधारशिला रखेंगे।

मोदी सरकार के प्रचार में सेना का इस्तेमाल रोकने में हस्तक्षेप करें मुर्मु : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अपील करते हुए कहा है कि मोदी सरकार राजनीतिक प्रचार के लिए सेना का इस्तेमाल करना चाहती है वह ऐसा नहीं करे इसलिए राष्ट्रपति को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा भारत की सेना पूरे देश की सेना है और हमें गर्व है कि हमारी बहादुर सेना कभी भी देश की आंतरिक राजनीति का हिस्सा नहीं बनी। साढ़े नौ साल की सरकार के दौरान महंगाई, बेरोज़गारी और सभी मोर्चों पर विफ़ल रहने के बाद मोदी सरकार अब सेना से अपना राजनीतिक प्रचार कराने का बेहद घटिया प्रयास कर रही है। सेना का राजनीतिकरण करना का यह प्रयास बेहद खतरनाक क़दम है। उन्होंने कहा भारतीय सैन्य बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी से हमारा अनुरोध है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करके मोदी सरकार को इस गलत कदम को तुरंत वापस लेने का निर्देश दें। पार्टी ने इसके साथ ही एक अखबार में छपी यह खबर भी पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि सेना सरकारी योजनाओं का प्रचार करेगी और देश के नौ शहरों में बनेगी सेल्फी पॉइंट।

दशहरा एवं दीपावली पर प्रदेश को मिलेगी निर्बाध बिजली आपूर्ति

मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूपी प्रदेश के सभी क्षेत्रों के लिए मिलेगी 24 घंटे बिजली

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप आगामी दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली के अवसर पर प्रदेश के सभी क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत प्राप्त होगी। इसके लिये आवश्यक निर्देश विभाग की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों और डिस्कॉम को दे दिये गये हैं। उप्र पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल ने बताया है कि इन प्रमुख त्योहारों के अवसर पर प्रदेश को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी।

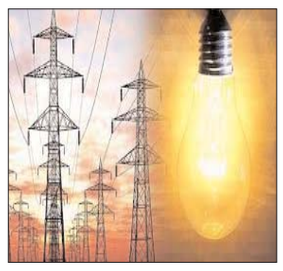

सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति

उन्होंने बताया कि वर्तमान में नवरात्रि के अवसर पर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति बेहतर रहे और सभी क्षेत्रों को निश्चित शिड्यूल के अनुरूप विद्युत प्राप्त हो इसके लिये कड़े निर्देश दिये गये हैं। वितरण में लगे अधिकारियों को सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिये कहा गया है। डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशकों, मुख्य अभियन्ताओं सहित विद्युत निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सरकार की मंशा के अनुरूप नवरात्रि के अवसर पर शक्ति पीठो एवं धार्मिक स्थलो को निर्धारित शिड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रो में सावधानी बरतें साथ ही स्थानीय स्तर पर विद्युत आपूर्ति में आने वाले अवरोधो को भी कम से कम समय में ठीक करायें।

जर्जर लटकते तारों को तुरंत बदला जाए

अध्यक्ष ने कहा है कि जर्जर, लटकते तारों और केबिलों को सुव्यवस्थित करते हुए सभी सुरक्षात्मक कार्रवाई कर ली जाये। वोल्टेज फ्लक्चुएशन एवं लो वोल्टेज की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाये। अप्रत्याशित ब्रेकडाउन होने की दशा में जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति को चालू करने के लिए पर्याप्त संख्या में मरम्मत गैंगों की पहले से ही व्यवस्था कर ली जाये। इसके अलावा टोल फ्री नम्बर पर के जरिए मिलने वाली शिकायतों का भी तत्परता से निस्तारण कराया जाये। डिस्काम स्तर पर तथा जनपद स्तर पर विशेष कंट्रोल रूम स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित किया जाये कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए सभी व्यवस्थायें सुनिश्चत करा ली गई हैं। साथ ही यह भी निर्देशित किया है कि जिन मार्गों पर जुलुस आदि निकने हो या मूर्ति विसर्जन हेतु बड़ी संख्या में लोगों के इकट्ठे होने की सम्भावना हो वहाँ अधिकारी स्थलीय निरीक्षण करके पूरी व्यवस्था बेहतर कर लें जिससे विद्युत दुर्घटना आदि से बचा जा सके।

छह वर्ष पहले चरम पर थी अराजकता, प्रदेश में होते थे दंगे

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से छह वर्ष पहले उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे। अराजकता चरम पर थी। कानून व्यवस्था की स्थिति बदतर थी। ऐसी स्थिति में कोई भी निवेशक प्रदेश में निवेश करने को तैयार नहीं था। हमारी सरकार सत्ता में आते ही सबसे पहले कानून व्यवस्था की स्थिति को बेहतर किया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए आवश्यक रिफॉर्म किए। युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से जोड़ा। इसी का परिणाम है कि फरवरी 2023 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश को 38 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे प्रदेश के एक करोड़ 10 लाख युवाओं को सीधे-सीधे नौकरी मिलेगी। प्रदेश के युवाओं को नौकरी की तलाश में देश के अन्य राज्यों में नहीं भटकना पड़ेगा। वह अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को जब उत्तर प्रदेश के विकास के साथ जोड़कर कार्य करेगा तो यूपी को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। सीएम योगी ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के सेक्टर 26 में 114 करोड़ रुपए से 20,067 वर्गमीटर में निर्मित विस्तृत दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद परियोजना का सोमवार को उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस डेयरी को पांच लाख लीटर दूध की आवश्यकता पड़ेगी। यानी की इससे एक लाख परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही 300 लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर नौकरी मिलेगी। वहीं 1500 अन्य लोग संयंत्र के संचालन की व्यवस्था से जुड़ेंगे। सीएम योगी ने कहा कि गीडा में पिछले कुछ दिनों में निवेश की बहार सी आई है। गैलेंट, अंकुर टीएमएक्स, वरुण बेवरेज, पेप्सिको, केआन इंडस्ट्री और तत्वा प्लास्टिक जैसी कंपनियों के निवेश से गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश में विकास की एक नई बहार आई है। इससे नवरोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। सीएम योगी ने कहा पहले गीडा सहजनवा के कुछ गांव तक ही सीमित था। आज हम इसका विस्तार करते-करते धूलिया पर तक लेकर जा रहे हैं।

मानव तस्करी के प्रति जागरूकता के लिए वॉक फॉर फ्रीडम

नयी दिल्ली। मानव तस्करी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित वैश्विक वॉक फॉर फ्रीडम के नई दिल्ली संस्करण में 300 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया। आधुनिक समय में गुलामी के खिलाफ दुनिया की सबसे बड़ी समसामयिक पदयात्रा में भारत के 100 अन्य स्थानों एवं 50 देशों में 500 से अधिक स्थानों पर पदयात्रा करने वाले हजारों लोग एक-साथ जुड़े। दिल्ली में मानव तस्करी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट, कॉलेजों और गैर सरकारी संगठनों के 300 से अधिक नागरिकों ने वॉक फॉर फ्रीडम में भाग लिया। पदयात्रा की शुरुआत में नई दिल्ली और देश भर में प्रतिभागियों ने अपने जीवनकाल में तस्करी को समाप्त करने में मदद करने हेतु अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करने की शपथ ली। इसके बाद वे मानव तस्करी के बारे में जानकारी और आंकड़ों को दर्शाती तख्तियां लेकर एक पंक्ति में चले और डीडीए पार्क, जीके 1 से अपनी पदयात्रा शुरू करके, आसपास के सार्वजनिक मार्गों से गुजरते हुए उसी स्थान पर वापस लौटे। यह पदयात्रा मानव तस्करी के बेआवाज़ पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पूरी तरह से एक मौन पदयात्रा थी। दिल्ली ने इस वर्ष तीसरी बार वॉक फॉर फ्रीडम में भाग लिया।

शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने विश्व खाद्य दिवस-2023 पर भूख और कुपोषण से जंग लड़ने का आह्वान किया

नेशनल चाइल्ड एंड वूमेन डवलपमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट एवं नेशनल एजुकेशनल मीडिया नेटवर्क के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स ने आज ट्रस्ट के मुख्यालय बरवाला में विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने विश्व खाद्य दिवस- 2023 पर जल ही जीवन है, जल ही भोजन है की थीम के साथ भूख और कुपोषण से जंग लड़ने का आह्वान किया। वत्स ने देशवासियों से अपील की है कि वे जल और खाद्यान्नों की बरबादी हर कीमत पर रोकें क्योंकि जल है तो कल है। जल ही जीवन है और जल ही भोजन है। विश्व खाद्य दिवस भूख और कुपोषण से

लड़ने का एक सराहनीय वैश्विक प्रयास है। वत्स ने केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र कुमार तोमर से मांग की है कि समूचे देश में खाद्यान्नों के समुचित भंडारण के लिए आधुनिकतम वेयरहाउसिंग परियोजनाओं को सभी जिलों में स्थापित करें ताकि अनाज का एक दाना भी खराब न हो। वत्स ने कहा कि भारत इकलौता ऐसा देश है जहां बारिश में भीगने, चूहों द्वारा खाने और उचित सुरक्षित भंडारण के अभाव में हजारों टन अनाज हर साल खराब हो जाता है। वत्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश भर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जाना विश्व की सबसे बड़ी कल्याणकारी योजना है। भोजन और स्वच्छ पेयजल हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। इसीलिए कोई भूखा ना रहे कोई प्यासा ना रहे, जो भोजन उसे दिया जा रहा है वह पौष्टिक भी हो। भारत में समेकित बाल विकास परियोजनाओं के माध्यम से सफलतापूर्वक करोड़ों बच्चों और गर्भवती माताओं को आंगनबाड़ी के द्वारा पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। पूरे भारत के स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा के करोड़ों विद्यार्थियों को भी मिड डे मील दिया जा रहा है। वत्स ने कहा कि आज हम सब यह संकल्प लें कि जल और भोजन की बरबादी रोकने के लिए यथासंभव प्रयास करेंगे। वत्स्कूस ने कहा कि उनका ट्रस्ट स्कूल और कॉलेजों में विद्यार्थियों को जल एवं भोजन प्रहरी बनाकर उनके माध्यम से समाज और देश में जन- जागरूकता अभियान चलाजगा।

उद्योग स्वरोजगार का खादी ग्रामोद्योग के तत्वावधान में आयोजित हुआ प्रशिक्षण शिविर

सोनभद्र। उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड सोनभद्र में शिक्षित बेरोजगार नवयुवकों - युवतियों के लिए, स्वरोजगार में रुचि रखने वाले क्रियाशील व्यक्तियों को उद्योग की स्थापना करने एवं रोजगार सृंजन बढाने के उद्देश्य से एक दिवसीय जागरुकता शिविरका आयोजन 16 अक्टूबर को आई0टी0आई0 कालेज लोढ़ी राबर्ट्सगंज में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी किरन श्रीवास्तव द्वारा सम्पन्न कराया गया। जागरुकता शिविर कार्यक्रम में उपस्थित छात्र- छात्राओं एवं शिक्षित बेरोजगार नवयुवकों - युवतियों को स्वरोजगार हेतु विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का व्यापक परिधि में प्रचार-प्रसार किया गया तथा

जागरुकता में प्रतिभाग करने वाले व्यक्तियों में से 23 लोगो द्वारा रोजगार हेतु निर्धारित आवेदन पत्र भरे गये। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी किरन श्रीवास्तव द्वारा पी0एम0ई0जी0पी0 योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना एवं विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताया गया। सुश्री वेदवाणी तिवारी (प्रबन्धक ग्रामोद्योग) द्वारा स्वावलम्बी बनने के लिए क्या करेंगें एवं कैसे करेंगें की आधारभूत जानकारी दी गई तथा आने वाली कठिनाईयों को किस प्रकार दूर किया जा सकता है, यह भी बताया गया। एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम में योजना हेतु ऑन लाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करें। आई0टी0आई0 के बी0आर सत्यार्थी द्वारा उद्योगो की स्थापना हेतु चरणबद्ध तरीके से बताया गया। जिला अग्रणी प्रबन्धक इण्डियन बैंक के प्रतिनिधि चन्दन द्वारा बैंकों से लोन लेने में क्या - क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है तथा लोन कैसे लेना है, लोन की कैसे वापसी करनी है इत्यादि जानकारी दी। आयोजित एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम में आई0टी0आई0 कालेज लोढ़ी के बी0एल0सिंह, बी0के0अग्रहरी कार्यदेशक, पी0सी0कुमावत अनुदेशक तथा खादी ग्रामोद्योग कार्यालय के महेश कुमार मौर्य (व0स0हा0) तथा रमेश कुमार के अलावा भारी मात्रा में छात्र छात्रा उपस्थित रहे। अन्त में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी किरन श्रीवास्तव द्वारा सबको धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

विभिन्न त्यौहारों के मद्देनजर सीओ ने किया परिभ्रमण

सोनभद्र। शारदीय नवरात्रि एवं निरंतर चल रहे त्योहार के दृष्टिगत सप्ताह के प्रथम दिवस पर क्षेत्राधिकारी घोरावल द्वारा थाना शाहगंज एवं थाना घोरावल के प्रमुख बैंकों एसबीआई, इंडियन बैंक, यूको बैंक, एचडीएफसी, आर्यावर्त बैंक व थाना शाहगंज बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा का आज का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान बैंक में उपस्थित आमजन को साइबर क्राइम और आर्थिक अपराधों के संबंध में त्वरित रूप से जागरूक किया गया। सीओ ने बताया गया कि अपने मोबाइल में आने वाले तमाम अनावश्यक मैसेज एवं उनके लिंक पर बिना जानकारी के लिंक न करें तथा ओटीपी, पैन कार्ड, आधार कार्ड आदि की सूचना बिना जान पहचान वाले व्यक्ति को कदापि न दे। कहा कि बैंक ऐसी कोई सूचना नहीं मांगता है। मौजूद महिलाओं को महिला संबंधी अपराधों के बारे में भी जागरूक किया करते आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के निमित्त बैंक के बाहर खड़े संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग चली।

थाना प्रभारी ने दुर्गा पूजा दशहरा के दृष्टिगत पत्रकारों के साथ की बैठक

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

सादुल्ला नगर(बलरामपुर)। दुर्गा पूजा दशहरा पर्व को लेकर थाना प्रभारी बृजानंद सिंह ने सोमवार को क्षेत्र के समस्त पत्रकारों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के अफवाहों पर बिना पुष्टि किये प्रसारित न किये जाने एवं लाभप्रद सूचनाओं के तत्परता से आदान प्रदान किए जाने हेतु अपील की। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दे। थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा व दशहरा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। डीजे की ध्वनि को नियंत्रित रखने के लिए डीजे संचालको के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दे दिया गया है। आगामी 24 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर प्रशासन अभी से अलर्ट है। इससे पूर्व शांति समिति की बैठक में त्यौहार संबंधी सभी दिशा निर्देशों से अवगत कराया जा चुका है। अराजक तत्वों पर पुलिस प्रशासन पैनी नजर रख रहा है। अराजकता फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। कहीं किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न होने पाये। ऐसे में सभी लोग प्रशासन का सहयोग करें। इस पर उपस्थित सभी पत्रकारों द्वारा आगामी त्यौहार के दृष्टिगत शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार संपन्न कराए जाने हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किए जाने हेतु आस्वस्थ किया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा गारद के स्थापना दिवस पर मोदी ने दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा गारद की कमांडो बल के 39 वें स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने कर्तव्यपालन में दृढ़ता, राष्ट्र के प्रति गहरे प्रेम और अदम्य साहस का प्रदर्शन करने वाले बल के सभी शूरवीरों की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एनएसजी के सभी कर्मियों को बल के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं। एनएसजी के जांबाजों ने अपने आपको दृढता के साथ विशिष्ट शक्तिपुंज के रूप में स्थापित किया है, ये जांबाज विभिन्न खतरों से हमारी रक्षा कर रहे हैं। इस विशेष अवसर पर, मैं बल के सभी बहादुर कर्मियों की सराहना करता हूं, जिन्होंने कर्तव्य के दौरान दृढ़ता, राष्ट्र के प्रति गहन प्रेम और अदम्य साहस का परिचय दिया। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि बल ने अपने ध्येय वाक्य 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' की कसौटी पर खरा उतरते हुए राष्ट्र की सुरक्षा को अभेद्य बनाया है। उन्होंने कहा कि इस मौके पर वह देश की रक्षा करते हुए प्राणों की बाजी लगाने वाले सभी जांबाजों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

पहली भारत-ब्रिटेन टू प्लस टू बैठक संपन्न

नयी दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच रक्षा एवं विदेश मंत्रियों की टू प्लस टू स्तर की पहली बैठक सोमवार को यहां आयोजित की गई जिसमें मौजूदा भूराजनीतिक घटनाओं की समीक्षा करने के साथ ही द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के सभी पहलुओं को और मजबूत बनाने के उपायों पर विचार विमर्श किया गया। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि भारत-ब्रिटेन टू प्लस टू विदेश और रक्षा बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (यूरोप पश्चिम) पीयूष श्रीवास्तव और रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) विश्वेश नेगी ने की थी। ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल की सह-अध्यक्षता वहां के विदेश विभाग एफसीडीओ में हिंद महासागर निदेशालय के निदेशक (भारत) बेन मेलोर और रक्षा मंत्रालय के रक्षा स्टाफ, वित्त और सैन्य क्षमता के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल रॉब मैगोवन ने की। विदेश मंत्रालय के अनुसार वरिष्ठ अधिकारी स्तर की इस बैठक में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के सभी पहलुओं पर चर्चा और समीक्षा की गई। दोनों

प्रतिनिधिमंडलों ने नियमित उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान और बातचीत पर संतोष व्यक्त किया जिसने भारत-ब्रिटेन के बहुमुखी संबंधों को मार्गदर्शन और गति प्रदान की है। उन्होंने राजनीतिक आदान-प्रदान, आर्थिक सहयोग, रक्षा और सुरक्षा, लोगों से बीच संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग सहित भारत-ब्रिटेन रोडमैप 2030 के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। दोनों पक्षों ने विशेष रूप से व्यापार और निवेश, रक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, नागरिक उड्डयन, स्वास्थ्य, ऊर्जा, संस्कृति और लोगों के बीच जुड़ाव को मजबूत करने के क्षेत्रों में आगे सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। अधिकारियों को शांति, स्थिरता और समृद्धि और एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को देखते हुए, इस क्षेत्र सहित हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के बारे में अपन अपने आकलन को साझा करने का अवसर मिला। उन्होंने आतंकवाद से निपटने, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्ष उच्च द्विपक्षीय तंत्र, विदेश कार्यालय परामर्श एवं रक्षा सलाहकार समूह को वार्ता के नतीजे की रिपोर्ट देंगे तथा अगले वर्ष पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर ब्रिटेन में वार्ता की दूसरी बैठक आयोजित करने पर सहमत हुए।